WIDTADETRAJIA WIDTABETAWAN HIGHER SECONDARY SCHOOL





Buy | Redeem | Transfer (STP) | Systematic Investment Plan (SIP) | ELSS

Contact: Mr. Ajith P Rao

Sharekhan Ltd., Chicago Plaza, 1st Floor, Rajaji Road, Ernakulam, Kochi - 682035

Mobile No.: 9846011119

Mutual fund investments are subject to market risk. Please read the offer document carefully before investing. Past performance may or may not be sustained in the future. Registered Office: Starekhan Limited, 10th Floor, Seta Building, Lodite Think Techno Campus, Off JMCR, Cop. Kanjumang Railway Station, Kanjumang East, Mumba -400042, Maharashtra, Tel (122 - 575)0000, Shareshar Uni, SEB Repr. Nos. 155, NSE, NSE (145+ 750) (10) MO(-Commodity: N200077537 DP NSDLCDS-N-DP-85-2018 PMS. NP000005786 Mutual Fund APN 20669. Research Arraigs, NH0000001570; For any complete, enail or consideration can Disclaimer. Dient should read the



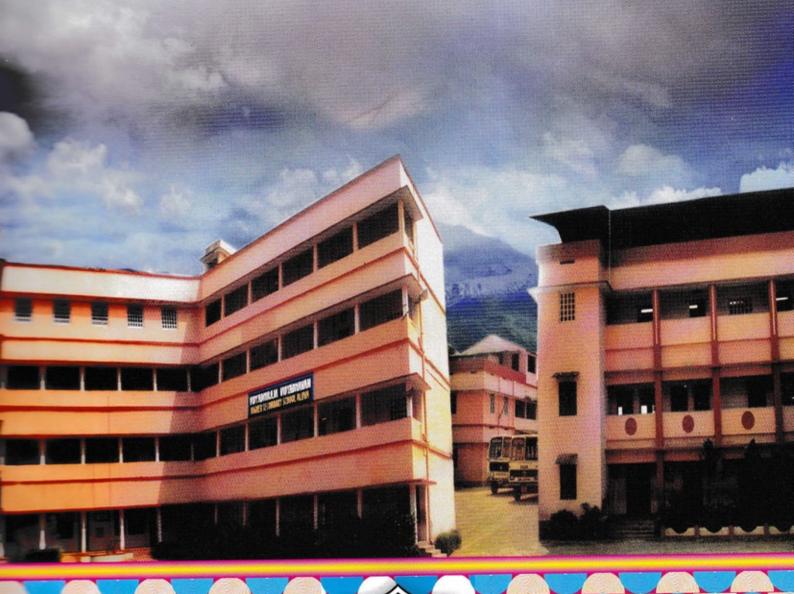
by BNP PARIBAS



HIGHER SECONDARY SCHOOL

ALUVA

Phone: 2625178, 2627178, 2627168





SCHOOL MAGAZINE

2017-18

Swami Gopalanan Aneertha **FOUNDER** (1932-1979) മരണാഞ്ജലി ഉത്തമാചാര്വൻശ്രിമദ് ഗോപാലാനന്ദതിർത്ഥൻ നിത്വവും ലാലസിപ്പു ധർമ്മകർമ്മാർത്ഥമായി യരണ്ണാണേപോരും നന്മനം കുളിർപ്പിക്കാ-നായുരാരോഗ്വം നേടാനാത്മിയരക്തി കൊൾവാൻ കൺമുന്നിൽ നിൽക്കുന്നിന്നും സ്വാമിതൻ ധർമ്മഗാത്രം കേൾക്കുന്നാമഹാത്മാവിന്നുജ്ജ്വലപ്രഭാസുക്തം നമസ്തേകർമ്മധിരാ!ഗോപാലാനന്ദതിർത്ഥസ്വാമിൻ! നമസ്തേശാന്തിഃശാന്തിഃശാന്തിയെന്നതേശുഭം

Geetha Bhavan Trust





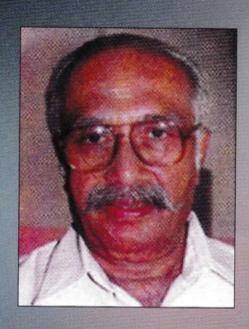
Adv. M.K. PADMANABHAN (Chairman)



Sri. P.N. Raman Namboothiri (Managing Trustee)

Geetha Bhavan Trust





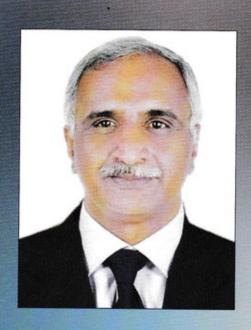
CA. P. Maharaj **Chief Patron**



CA. V. Vinod Kamath Dr. Ayyappan Pillai Patron



Patron



Dr. K.P.S. Nair Permanent Invitee



Retd. Judge **Sundaram Govind** Advisory Chairman &Trustee



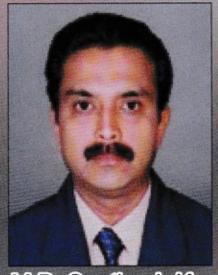
A. M. Narayanan **Advisory Board** Member

Geetha Bhavan Trust

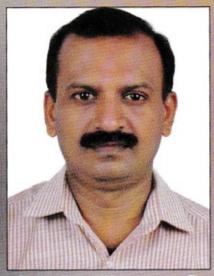




Dr. Sreejith P. S.



Dr. M.B. Santhosh Kumar



Sri. Sunilkumar S.



Smt. P.N. Kamalam Teacher



Sri. K. Peethambaran



Adv. M. A. Vinod

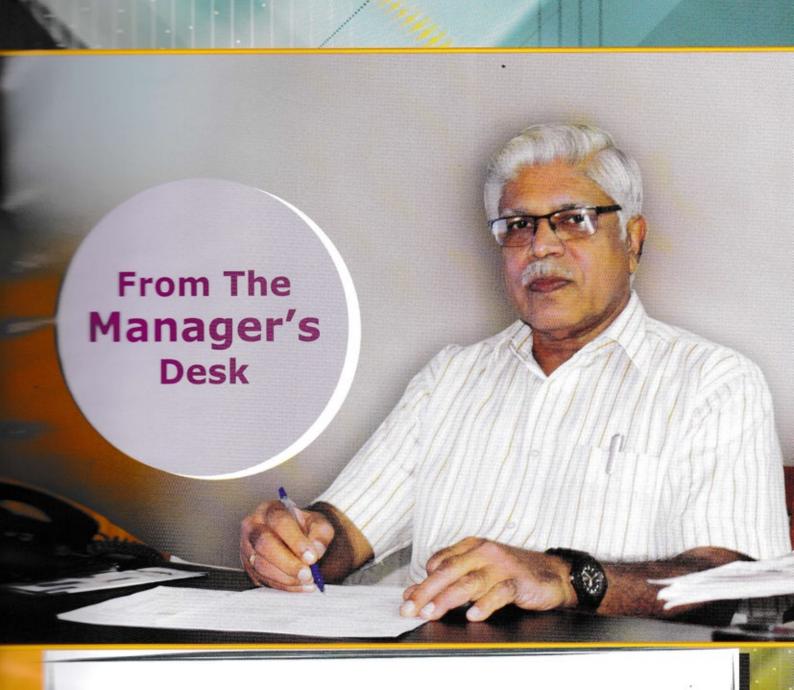
In fond remembrance



A. V. Bhaskarji



Sravan P. S.



Erosion of values and morality are monotonous subject due to repetition of discussion. The indication of inviting a repeated discussion is not only the spring of ulterior crime events but also trends amongst youngsters.

The crime events once rarely heard from nook and corners are around us nowadays involving or sparing mobody- father, mother, sister, brother...The incidents which were prevented by the mighty shield of our heritage and culture are here... indicating erosion of values.

The trend among the young to disguise, to look different in looks and habits, the liking to be regarded as a different personality other than what they are, invite attention. They follow certain peculiar habits of breaking eggs on the head of a friend or throw mud and dirt on one who celebrates their birthday.

As these are not tuned to our culture and heritage, the society has to take a serious note of it. Of course where corrections are needed, we have to do it.

Guided by the insights torched by our founder Swamy Gopalananda Theertha, the management of Geetha Bhavan Trust is seized of the situation and is committed to guide the students for transformation of responsible citizens with the ultimate co operation of parents and teachers.

When this is penned, the 39 th batch of SSLC and 13 th batch of HSS are appearing for Public Examinations

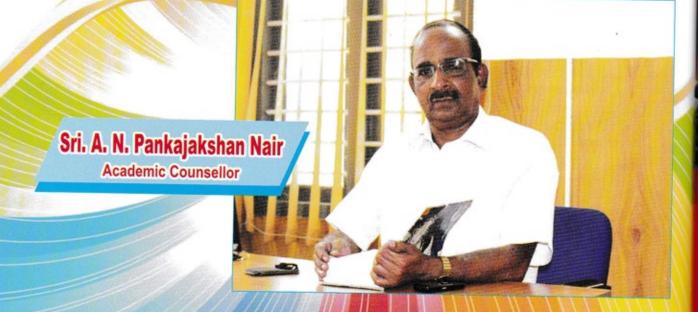
K P Sankaran





Smt. Remadevi K.

Headmistress



പെൺമൊഗ്ഗി

- മാഷ്



ഇന്നെന്റെ കണ്ണുനീർ ചുട്ടുപൊള്ളിക്കുന്നത് നിങ്ങളുടെ ഹൃദയത്തെക്കൂടിയെന്നറിയാം എങ്കിലും കരയാതെ വയ്യ ഒത്തിരി നൊന്ത ശരീരത്തിൽ കണ്ണിനെങ്കിലും മുക്തി കിട്ടട്ടെ കണ്ണീരിൽ ഭാരമെങ്കിലും അതിറക്കിവെയ്ക്കട്ടെ. അന്നമ്മയനുഭവിച്ച പ്രസവവേദനയേക്കാൾ ഇന്നു നിങ്ങളനുഭവിക്കുന്ന ഹൃദയവേദനയാണസഹ്യം എങ്കിലുമെന്തു ചെയ്യാൻ..... ജനിച്ചുപോയി പെണ്ണായ് തന്നെ അന്നു ഞാൻ ചോദിച്ചിരുന്നു – അച്ഛനെന്നാലെന്തെന്ന് ഇന്നു ഞാനതറിയുന്നു, അർത്ഥം ചുട്ടുപൊള്ളുന്ന ഹൃദയമെന്നാണെന്ന് തകർക്കുവാനാകാത്ത കോട്ടയെന്നാണെന്ന്.

എങ്കിലുമെന്നോ തകർക്കപ്പെട്ടു വലിച്ചിഴക്കപ്പെട്ടു ആരുടെയൊക്കെയോ നടുവിലേക്ക് അന്നേൻ നിലവിളിയെന്തോ മുഴങ്ങിയില്ലാരുടെ കാതിലും ഉരുക്കിയില്ലാരുടെ ഹൃദയത്തെയും. പ്രതീക്ഷകളസ്തമിച്ചു... വെളിച്ചം മങ്ങി.... ആശുപത്രിക്കിടക്കയിലെന്നെ-യുണർത്തിയതച്ഛന്റെ കണ്ണുനീർ. ഒന്നേ പറയാനുള്ളൂ... മാപ്പ്..... എനിക്കായെന്നും കുതിർന്ന കവിളുകളോട് വിതുമ്പി ക്ഷീണിച്ച ചുണ്ടുകളോട് ഭാരം വഹിച്ച കണ്ണുകളോട് സർവ്വതിലുമുപരി, ചുട്ടുപഴുത്ത ഹൃദയത്താൽ വിങ്ങിപ്പൊട്ടിയ ആ മനുഷ്യനോട് – അച്ഛനോട്

എന്നോ കണ്ട പ്രതീക്ഷയുടെ വെളിച്ചം മങ്ങി അന്ധകാരം ബാധിച്ചു, എങ്കിലുമെനിക്കു പ്രതികരിക്കണം ശബ്ദമുയർത്തണം എന്നാൽ കൈകൾ ചലിക്കുന്നില്ല നാവുയരുന്നില്ല, അവ ചങ്ങലകളിലാണ് അപ്പോഴുമാരോ മന്ത്രിച്ച; "നീ കേവലം പെണ്ണാണ്" എന്ന വാക്കാൽ തീർത്ത ചങ്ങലകളിൽ.

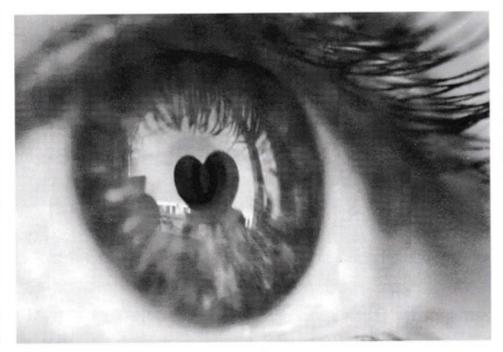
ശ്രീലക്ഷ്മി ഡി

X-D

SOMETIMES HEART SEES WHAT ARE INVISIBLE TO EYES

Sometimes the heart sees what is invisible to evenif, it is a false image or fake. But deep in-

eves. Eves can only see mysical state of something. is appearance, it's lusme and it's other qualilies. But our neart do have me capability view it's eelings and **emotional** state. It can one's pain, Ionelimess, indness,love aith, care, afection, friend-



and other emotions the limit or level of understanding possessed by our heart is beyond the mit. When memories sneak out of one's eyes and roll down to the cheeks, heart can recognise the pain behind

In some incidents, it is observed that what ever teart can see is often neglected by our eyes. Our eyes just helps us to see, but our heart, not only circulates the blood in entire body, but also completes our vision.

Seeing is believing". But one cannot entirely believe what he sees sometimes, they may be staken or else haven't come to know the truth. Even, one may not heve felt the reality of those on ords and emotions. Therefore, it is not on eyes a can reply upon, but on heart through which one able to understand the situation. As well, it is sticed that whatever decision our heart makes the most appropriate among all. Our brain has tendancy to store whatever our eyes see,

side, there is always voice (of heart) that gives better opinion clashing the original one other than that of brain. The decision of brain is made on the basis of whatever eyes see. But opinion of our heart somewhere related to our own will.

The one who follows the way of our heart is always satisfied in their life. In decision making, the heart should be preferred. For an example, God, he isn't seen by anyone. But his presence is felt by most of us. Whenver we face an obstacle, we do pray him.

He resides here in this world. In everyone's heart, what if we can't see him. but we always remember him. As well, our eyes can see a pretty smile of a person. But only our heart can understand the deep emotions that inside, which isn't perceived by our eyes

All the pain, happiness, love truthfulness, loyalty, faithfulness and thousands of other emotions are stored in our heart. Our eyes sees what the brain what if to see, but our heart feels what our brain cannot even think.

Sreelakshmi Sundaran, X D



प्लास्टिक की दुनिया

आज का युग विज्ञान का युग कहा जाता है। आज विज्ञान ने हमारे मन को चारों ओर से ढक लिया है। विज्ञान ने हमें उनके चमत्कारी वस्तुएँ देकर हमारे जीवन को सरस, सुन्दर तथा सुगम बन दिया है। इस कारण विज्ञान को अलादीन का विराग कहना अत्युक्ति प्रतीत नहीं होती। आज के अनेक आविष्कारों तथा उपयोगी वस्तुओं ने मानव जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन कर दिए हैं। आरंभ में हम लोहा, ताँबा, जस्ता, कांसा, पीतल जैसी धातुओं का प्रयोग करते थे, परन्तु, धीरे धीरेः विज्ञान ने हमें प्लास्टिक प्रदान किया। इस प्लास्टिक ने केवल मानव जीवन के कार्य क्षेत्र उद्योगधधों मे भी चमत्कार ला दिया।

प्लास्टिक का आविष्कार ड्यू बोयस जोन द्वारा किया गया था। इस का निर्माण इथिलीन नामक पदार्थ द्वारा किया जाता है। इस में इथिलीन ने इन अणुओं से बनी इस विचित्र वस्तु को पोलिथीन या प्लास्टिक के नाम से जाना जाताहै।

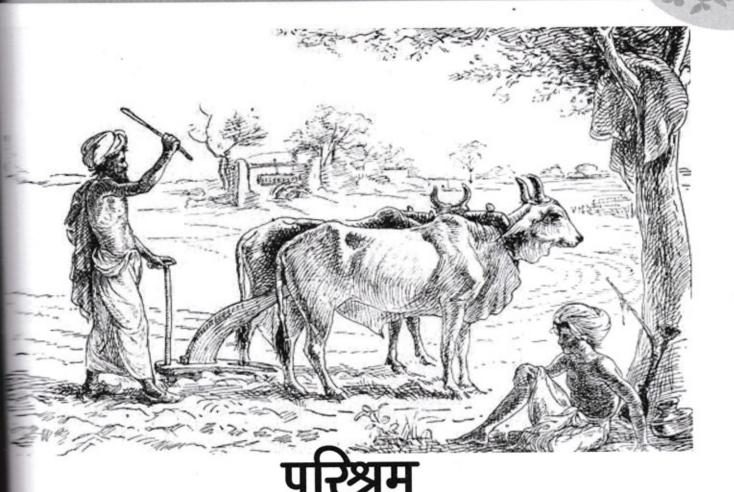
आज प्लास्टिक से बनने वाली वस्तुओं की गिनती

करना असंभव है। छोटी-छोटी वस्तुओं से लेकर बडी ब वस्तुओं तक न जाने कितनी चीज़ें इससे बनाई जाते हैं आजकल कुछ उद्योग तो प्लास्टिक का दाना बनाते हैं प्लास्टिक कई प्रकार का होता है। नाईला, पोलिएच्ट थर्मोप्लास्टिक, पी.वी.सी आदी।

प्लास्टिक ने तो हमारी दुनिया को बदल दी हैं आश्चर्य की बात तो यह है कि आज सौंदर्य-प्रसाधन हैं सामग्री तथा सजावट की चीज़ें बनने में भी प्लास्टिक हैं प्रयोग होने लगा। किसी होटल में जाइए, प्लास्टिक के विदंगे आकर्षक फूल तथा पेड़-पौधे प्राकृतिक पेड़ पौध होड़ लेते दिखाई देते है। बड़ी कठिनाई से यह अहन होता है कि अरे। यह तो प्लास्टिक है।



Sana- P.A, IX



क छोटा-सा गाँव में दो किसान था। गोपाल और वि । गोपाल एक मेहनती था। वह सदा दुर्बल लोगों का वि यता करता था। लेकिन केशव एक आलसी व्यक्ति वि ह सदा खुश रहना चाहता था। और वे परिश्रम वे में विमुख था।

क दिन इन दोनों एक खेत की ओर चला। उस समय दोने एक बूढा आदमी को देखा। वह बहुत मुश्किल से करता था। गोपाल उनकी मदद करने केलिए उनके या। लेकिन केशव वहाँ से दुर चला गया। गोपाल दि वह बूढा आदमी एक साथ खेती की। अचानक दि एक बक्सा देखा। उन्होंने उस बक्से को खुला। वह का अंदर बहुत सारा सोना था। गोपाल ने उस बूढा आदमी से कहा - अरे भैया! यह तुम्हारा खेत है। इसलिए यह बक्सा तुम्हारी ही है।

उस बूढा आदमी ने बोला "नहीं पुत्र। इस बक्सा तुम्हारा है। यह तो तुम्हारी परिश्रम का फल है।"

गोपाल उस निधी लेकर वहाँ से गया। और इसकी सहायता से वह धनिक हो गया।



Tulsi Shyam, X D



भगवान

बचपन में बताया जाता था, कि भगवान हमारी रक्षा करते बचपन में बताया जाता था, भगवान की हमारे सफलता का कारण है। हमें समझाया जाता कि भगवान हम सबके ख्याल रखता है। तब मेरे मन में एक सवाय उठा, भगवान कौन है? समय बहुत ही जल्दी में गया, समय के साथ हम भी बडे हो गये, जब बूढे हो गये तब हमें पता चला, कि असली भगवान माता और पिता है, उन्हें धन्यवाद कहना चाहता था, लेकिन..... तब तक बहुत देर हो गई ।

Sidharth Sethunath, XA



देश कहानी जानता

किसमें कथा की आशय उल्टा- पुलटा है।

विहां जानती कैसे है इस कहानी का अंत

किर भी मैं ने जानने की कोशिश की

किन हारा,

विवन का रहस्य कौन जानता है ?

विनता है तो बताओ ।

विदमी पैदा होता है इस धरती में,

किन जीना चाहते है आसमान में,

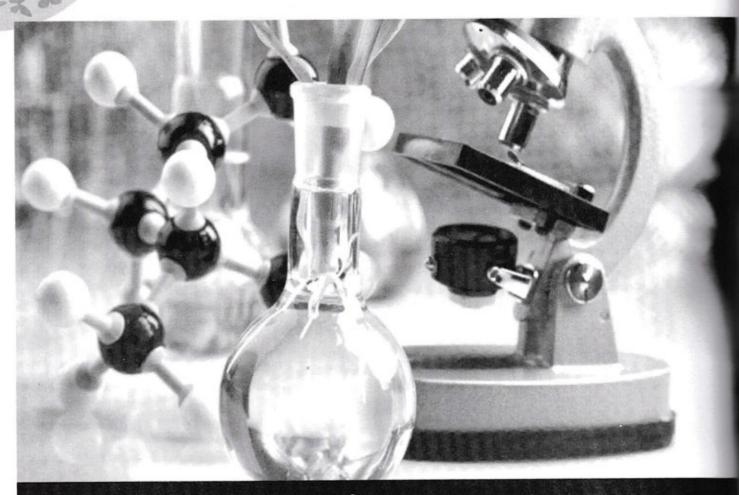
विशा मनुष्य को जीना सिखाता है

व्या होगा जब इस प्रत्याशा का अंत हो जाते तो?

फिर भी मनुष्य जीना चाहता है.... किसी और केलिए.....। हे भगवान! क्या आप जानता है इस जीवन का रहस्य? कोई भी नहीं, बस दिल की सुनो, और प्रत्याशा से जीओ।



Vishnu C.S, X A.



विज्ञान के चमत्कार

विज्ञान का शब्दार्थ होता है, 'विशेष ज्ञान'। हम किसी विषय के नियमित अथवा क्रमबब्ध अध्ययन को वैज्ञानिक अध्ययन कहते है। आज का युग विज्ञान का युग है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान ने चमत्कारपूर्ण आविष्कार किए है। हम जिन बातों को असम्भव मानते थे, विज्ञान ने उनको सम्भव बन दिया है। विज्ञान ने हमको जीवन में सुख-सुविधाओं के अनेक साधन प्रदान किए है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी विज्ञान ने चमत्कार कर दिखाया है। विज्ञान ने हमको छापाखान दिया है। विज्ञान ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चमत्कार कर दिखाया है। विज्ञान ने आधुनिक सभ्यता का विकास

किया है। विज्ञान द्वारा दी गई सुविधाओं ने मनुष्य के कार्यक्षमता को बढ़ाया है। विज्ञान के जिन अभिज्ञान के बारे में बताया है वे वास्तव में विज्ञान के अभिज्ञान हीं है। हम विज्ञान की देनों का गलत उपयोग करके उनका रूप दे देते है। अतः हमें विज्ञान द्वारा प्रवासतुओं का उपयोग मानव कल्याण के लिए करने चाहिए। विज्ञान के चमत्कारों के सही उपयोग से मनुष्य के जीवन सुखी, समृद्ध और निरापद बन जाएगा जिससे मनुष्य का अधिक से अधिक भला हो सके अज्ञिति कर सके।

Sainandan P.V., IX-4



शिक्षा में खेलों का महत्व

विध्यार्थी जीवन में खेलों का बडा महत्व है। विध्यार्थी
जने आप में चुस्ती और ताज़गी अनुभव करता है।
जनव जीवन में सफलता केलिए मानसिक और आत्मिक
कियों की आवशयका है।।

स्वस्थ प्रसन्न चूस्त और फूर्तिला रहने केलिए शारीरिक का विकास जरूरी है। इस पर भी मानसिक और किन विकास संभव है। शरीर का विकास संभव है। शरीर का विकास संभव है। शरीर का विकास संभव है। शरी का विकास खेल - कूद पर निर्भर रहती है। सा दिन काम करने और खेल के मैदान का दर्शन न को होशियार विध्यार्थी भी मूर्ख बन जाते है। यदि सारा दिन कार्य करते रहें तो शरीर में धर्मराहट, व्यक्ति दिए भागते है। मन में और किक कार्य करने की लगन पैदा होता है।

दो प्रकार के खेल होते है। पहले घर में बैठकर खेले होता हे, जैसे शतरेंज, ताश, कैरमबोर्ड आदि, दुसरे प्रकार के खेल मैदान में खेले जाते है, जैसे क्रिकेट, फुटबाल, वोलिबाल, बाँस्कटबाल, कबडी आदी। इन खेलों से व्यायाम के साथ साथ मनोरंजन भी मिलता है।

खेलों में भाग लेने से विध्यार्थी खेल के मेदान में से अनेक शिक्षाएँ ग्रहण करता है। खेल संघर्ष द्वारा विजय प्राप्त करने की भावना पैदा करते है। खेल हँसते अनेक कठिनाइयों पर विजय प्राप्त करना सिखा देते है। खेल के मैदान में से विध्यार्थी के अंदर अनुशासन में रहने की भावना पैदा होती है। सहयोग करने तथा मातृभाव की आदत बढती है। खेल-कूद से विध्यार्थी में तन्मयता से कार्य करने की प्रवृत्ति पैदा होती है।

Parvathy C., IX-A



दोस्त

दोस्त हो तो ऐसी जिसपर हस कर सके भरोसा जो हमारे साथ कभी न छोडे कठिनाइयों में भी जो साथ दे जो हमें सही दिखाए रास्ता जिसे हम पर रहे विश्वास हमेशा अच्छा दोस्त मिलना बहुत कठिन है जो हमारी भलाई चाहते है।

> जिसे हम ज़िन्दगी में कभी न भूल सका और जो हमें भी न भूले। जो सुख दुःख में हमारा साथ दे और अपना सुख दुःखों को हमारे साथ बाँटे जो हमें साथ कभी न करें जिसे हम भी न करे निराशा दोस्त हो तो ऐसा जिसपर हम कर सकते भरोसा।



Safana A. Latheef, IX-D



समाज में नारी का स्थान

इस समाज में नारी का एक महत्वपूर्ण स्थान है। वो क बेटी, बहन, माँ, पत्नी सब है। खाने में नमक की होना हमें पता नहीं चलता, पर अगर नमक नहीं है तो बाने में स्वाद नहीं होगा। वैसा ही है एक नारी, अगर बो हमारी ज़िंदगी में नहीं होती तो ज़िंदगी अधूरा हो वाएगा।

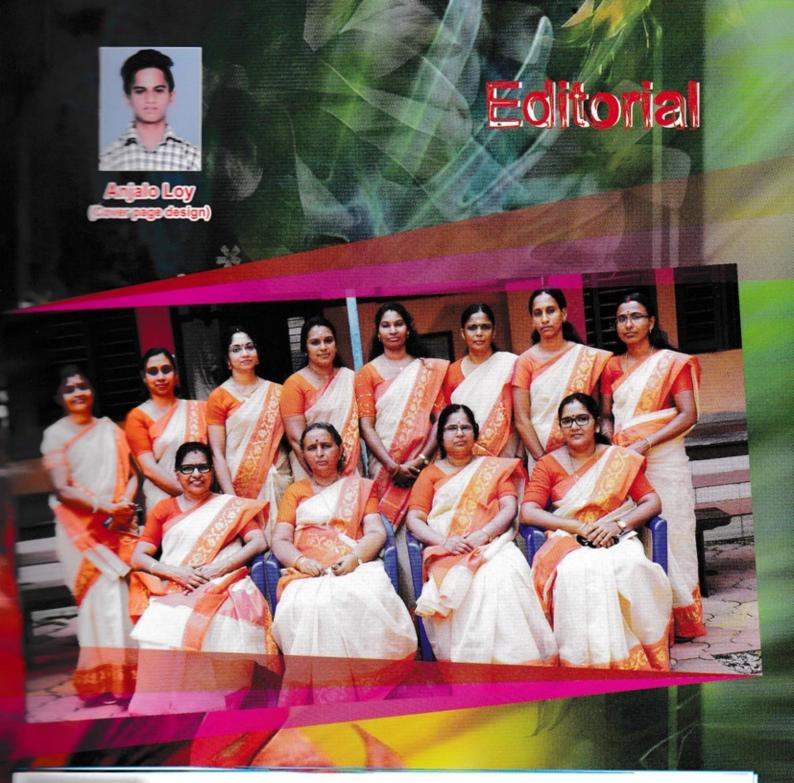
इस समाज में अभी भी ऐसा बहुत सारे लोग है जो नरी का सम्मान नहीं करते है। इस समाज में धोटी सी बच्ची से लेकर बूढ़ी महिला को भी शोषण होता है। इसा बहुत सारे नारियाँ है इस समाज में जिन्हें आज क पढ़ाई करने का अवसर नहीं मिला।

हमारे सरकार बहुत सारी पदद्धतियों की योजना डिया है नारी के स्थान समाज में बढाने केलिए। उन में से एक योजना है 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ"। बहुत सामूहिक संघटना भी और नारी को एक अच्छे स्थान दिलाने के काम कर रहे हैं।

यह सच है कि नारी एक माँ है, बेटी है, सब है। लेकिन वो मर्द से कम सहीं है। नारी को अपने नीचे समझने वाला मर्द नहीं जानते है कि अगर नारी को पढ़ाया जाता तो वो उन से ऊपर होता।

बहुत ऐसी नारियाँ है जो इस दुनिया में बहुत ऊचाँईयों पर पहूँची है। भारत में लोग नारी को ज़्यादा स्थान समाज में नहीं देता है। पर हमारी हर एक छोटी या बड़ी कोशिश नारी का स्थान इस समाज में बढ़ा सकते है।

Nimmy K. Jolly, X-B





Dear Readers,

With the grace and blessings of Swamiji, we Vidyadhirajans are really proud and exuberant to acclaim that we are ready with all new hopes and hues to bring out this magazine. This school magazine is to be viewed as a launch pad for the children's creative urges to bloom naturally. This humble initiative is to set the budding minds free allowing them to roam free in the realm of imagination and experience to create a

world of beauty in words. I am thankfull to all my colleagues and students who dipped their oars in to the turbulent water of this Journal and have sailed it to the shore of publication. Let our children's dreams and creation come true with the blessings of Swamiji and we offer our magazine as a token of love on the holy foot of the great soul.



നാഷണൽ സർവ്വീസ് സ്കീം

വിദ്യാർത്ഥികളെ സാമൂഹൃസേ വനത്തിൽ പങ്കാളികളാക്കുന്നതിനായി ആരംഭിച്ച നാഷണൽ സർവ്വീസ് സ്കീം 2015 ൽ ആണ് വിദ്യാധിരാജ വിദ്യാഭ വൻ. ഹയർ സെന്ററി സ്കൂളിൽ ആരംഭിച്ചത്. പ്രവർത്ത നങ്ങൾക്ക് പരിപൂർണ്ണ പിന്തുണ നൽകിയത്.

പ്രിൻസപ്പൽ ലത എം, പ്രോഗ്രാം ഓഫീസർ ശ്രീകല കെ.എ, അസിസ്റ്റന്റ് പ്രോഗ്രാം ഓഫീസർ ഡയാന എം.എസ് എന്നി

വരായിരുന്നു.

2017-18 എൻ.എസ്.എസ്. പ്രവർത്തനത്തിന് തുടക്കം കുറി ച്ചത് ബഹുമാനപ്പെട്ട എറണാ കുളം ജില്ലാ കളക്ടറുടെ '50ദിനം നൂറുകുളം' എന്ന പദ്ധതിയിൽ പങ്കെടുത്തുകൊണ്ടായിരുന്നു. തെക്കെ വാഴക്കുളം ചാത്തൻ കുളം' വൃത്തിയാക്കുവാൻ അവ സരം ലഭിച്ചതിലൂടെ ജലാശയ സംരക്ഷണത്തെക്കുറിച്ച് കുട്ടികൾ കുടുതൽ ബോധവാന്മാരായി.

കുളം' വൃത്തിയാക്കുവാൻ അവ സരം ലഭിച്ചതിലൂടെ ജലാശയ സംരക്ഷണത്തെക്കുറിച്ച് കുട്ടികൾ കൂടുതൽ ബോധവാന്മാരായി. ഈ അദ്ധ്യയനവർഷത്തിൽ രണ്ടു മെഡിക്കൽ ക്യാമ്പുകൾ സംഘടിപ്പിക്കുവാൻ കഴിഞ്ഞു എന്നത് വലിയ ഒരു നേട്ടമായിതന്നെ കണ ക്കാക്കുന്നു. മുത്തൂറ്റ് സ്നേഹാശ്രയവുമായി ചേർന്ന് നട ത്തിയ ജീവിതശൈലി രോഗനിർണ്ണയ ക്യാമ്പും, ലിറ്റിൽ ഫ്ളവർ ഹോസ്പിറ്റലുമായി ചേർന്ന് നേത്രപരിശോധ നാക്യാമ്പും സംഘടിപ്പിച്ചു. ജന പങ്കാളിത്തം കൊണ്ട് ഏറെ ശ്രദ്ധേയമായി.

അനാഥാലയങ്ങൾ സന്ദർശിക്കുവാനും, അവർക്ക് ആവശ്യമായ സൗകര്യങ്ങൾ എത്തിച്ചുകൊടുക്കുവാനും എൻ.എസ്.എസ് പ്രവർത്തകർക്ക് കഴിഞ്ഞു. വൃദ്ധജന ങ്ങൾക്ക് ഒരു നേരം ഭക്ഷണം എന്ന ലക്ഷ്യത്തോടെ ആരംഭിച്ച 'പാഥേയം' ഇന്നും എല്ലാ വെള്ളിയാഴ്ചക ളിലും തുടരുന്നു.

ദത്തുഗ്രാമമായ ഉളിയന്നൂർ പഞ്ചായത്തിൽ മെഡി ക്കൽ ക്യാമ്പ് നടത്തുവാനും പെരുന്തച്ചനാൽ നിർമ്മി തമായ ഉളിയന്നൂർ ക്ഷേത്രം വൃത്തിയാക്കാനും സാധി ച്ചു. ഇതിനുവേണ്ടി എല്ലാവിധ സഹായങ്ങളും ചെയ്ത തന്നെ ബഹുമാനപ്പെട്ട വാർഡ്മെമ്പർ നിഷ ബൈജ വിന് ഈയവസരത്തിൽ പ്രത്യേകം നന്ദി പറയുന്നു.

ജൈവ പച്ചക്കറികൃഷിയെ ഏറെ പ്രോത്സാഹിച്ച ക്കുന്ന എൻ.എസ്.എസ്. സ്കൂൾ പരിന്ന രത്ത് ഏത്തവാഴക്കൃഷിയും പച്ചക്കാ ത്തോട്ടവും ആരംഭിക്കുവാൻ സാധ്

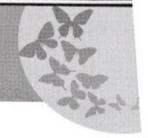
> ലോക ഭക്ഷ്യ ദിനത്തിൽ വിദ്യാർത്ഥികൾ ഭക്ഷ്യ മേള നടത്തുകയും അതിൽ നിന്ന് ലഭിച്ച ലാഭം ജീവകാരുണ്ട പ്രവർത്തനങ്ങൾക്കായ വിനിയോഗിക്കുകയും ചെയ്തു.

ഈ വർഷത്തെ സപ്പ ദിന സഹവാസക്യാമ്പ് കുട്ടാ ശ്ശേരി ഗവൺമെന്റ് ഹയ സെക്കന്ററി സ്കൂളിൽ വച്ച് നടത്ത കയുണ്ടായി. കുട്ടികളിൽ അച്ചടക്കാ നേതൃത്വവാസന, ലളിതജീവിതം എന്ന

കഴിവുകൾ വളർത്തിയെടുക്കാൻ ക്യാമ്പിനു സാമ ച്ചു. ക്യാമ്പിന്റെ വിജയത്തിനുവേണ്ടി ഹയർ സെക്കന്റര് അധ്യാപക അനധ്യാപകരുടെ സഹായങ്ങൾ എടുത്ത പറയേണ്ടതാണ്.

ഇന്നത്തെ യുവതലമുറ നേരിടുന്ന പ്രശ്നങ്ങളായ മദ്യം, മയക്കുമരുന്ന് എന്നിവയ്ക്ക് എതിരായി ബോധ വൽക്കരണക്ലാസുകൾ നടത്തുവാൻ സാധിച്ചു. പ്രധാനപ്പെട്ട ദിനങ്ങൾ ആചരിക്കുന്നതുവഴി ആ ദിനങ്ങളുടെ പ്രാധാന്യത്തെപ്പറ്റി കുട്ടികളിൽ അവബോധം സൃഷ്ട് ക്കാൻ സാധിച്ചു.

അൻപത് കുട്ടികളേയും കൊണ്ട് ആരംഭിച്ച എൻ.എ സ്.എസ്. മൂന്നു വർഷക്കാലം കൊണ്ട് ഒരുപാട് സന്ന ദ്ധപ്രവർത്തനങ്ങൾ ചെയ്യാൻ സാധിച്ചു. ഇതിനുവേണ്ട പ്രോൽസാഹനവും സഹായവും നൽകിയ എല്ലാവ രേയും ഈയവസരത്തിൽ സ്മരിക്കുന്നു.



HIGHER SECONDARY







I FOUND THEM

The spring is in the air,
The day is bright and fair
The birds are chirping
The water fall is shining
The garden is full and bright
So charming in the evening light
But my eyes are in search
For the flowers in my reach
I look out for the beautiful roses
In their beautiful poses
The red, red as the reddest
And in my heart, the best
Oh! I found them, my roses
the beautiful little roses



Thanveer, B1



FOR YOU MOM

The day when I came out of the safest place on earth You were the wonder of the world to me Eventhough we became seperate after my birth In your beart there is an inseperable place for me Only that day you smiled when I cried You clapped for the first step I took encouraged every impossible I tried never allowed anyone to hurt me ever For all the darkness I feared, as light you paved my way Faced sleepless nights to make me comfortable You always understood what I didn't say Made everyday in my childhood unforgettable I never remember you during my good times When in pain absent mindedly I utters your name all the angry shouts and the doors I shut You never complained and always cared Now I realise you were right about everything You always cared, prayed and lived for others If the perfect love had soul then it would be you Eventhough I know all this I never thanked you Thank you mom......



Niha. S, B1



Two insperable triends, Sam and Jason, met with an accident on their way to Boston city. The following morning, Jason woke up blind and sam was still unconsious. Dr. Berkeley was standing at his bedside looking at his health chart and medications with a thoughtful expression on his face. When he saw sam awake, be beamed at him and asked "How are you feeling to day sam?" Sam tried to put up a brave face and smiled back saying, "absolutely wonderful Doctor. I am very grateful for all that you have done for me. Dr. Berkeley was moved at sam's deed. All that he could say was "You are a very brave man Sam God will make it up to you in one way or another." While he was morning on to the next patient, Sam called back at him almost pleading." Promise me you won't tell Jason anything."

"You know I won't do that. Trust me" and walked away.

"Thank you" whispered Sam. He msiled and looked up in prayer" I hope I live up to your ideas... Please give me the strength to be able to go through this Amen"

Months later when Jasan had recuperated considerably, he stopped hanging around with Sam. He felt discouraged and embarassed to spend time with a disabled person like Sam.

Sam was lonely and disheartended. Since he

didn't have anybody else other than Jason to cout on things went from bad to worse. And one day Sam died in despair. When Jason was called on his burial, he found a letter waiting for him. Dr. Berkeley gave it to him with an expressionless face and said."This is for you Jasan. Sam had aksed me to give it to you when he was gone"

In the letter he had said: "Dear Jason I have kept my promise in the ned to lend you my eyes if anything had happended to them. Now there is nothing more that I can ask from God, than the fact, that will see the world through my eyes. You will always be my best friend...... Sam"

When he had furnished reading Dr. Berkely said "I had promised Sam to keep his sacrifice he made a secret from you but now I wish I didn't stick it because I don't think it was working it".

All that was left for Jason while stood there was tears of regret and memories of sam for the rest of his life.



Sanjay Sundaran, A2

MAGIC OF MUSIC



Music is a magic of hidden trick If have some special power to heal everything Without music, life is meaningless Music is the most powerful truth

Life is a song, lyrics are our own Music reminds you everything and Help you forget as well It is a medicine that cure our soul

Silence hurts.. play some music
It makes you fel silence is the best
Behind each musci there is an untold story
that forces to bear the music
"Where Music ends, Life is dead...."



Athira P. C2

TIPS ON HOW TO CONCENTRATE ON YOUR STUDIES

- Make a time table
- 2. Find a right place to study
- 3. Identify your peak contration time
- 4. Turn off all electronic devices
- Write down your study goals
- 6. Get enough sleep
- 7. Eat healthy
- 8. Clear the study place
- 9. Study with short break
- 10. Reward Yourself
- 11. Don't take too much tea/coffee





Bettina Rajan, C2



Youth is the spring season of life youth is the age of dreams and discovery. India has largest youth population in India. Now a days the number of youth members is decreasing day by day. Youth are the country's powerhouse. They can recognize problems and solve them very easily. Youth can fight for their own rights, support others, rights and protest against wrong Indian history is full of youth icons as a great source of inspiration for the upcoming generation. Example

- ROLE OF YOUTH

of Swami Vivekananda. He taught us the values of brotherhood. Similarly many other freedom fighters and other leaders taught us to be alert, fearless and ready to fight for our rights.

From the above it is revealed that youth in India have an important role in shaping country in prosperity. Now its our turn to strive together have a healthy wealthy India. Abdul Kalam told "All youth are Unique."

The power of Youth

Anila Sara David, C2



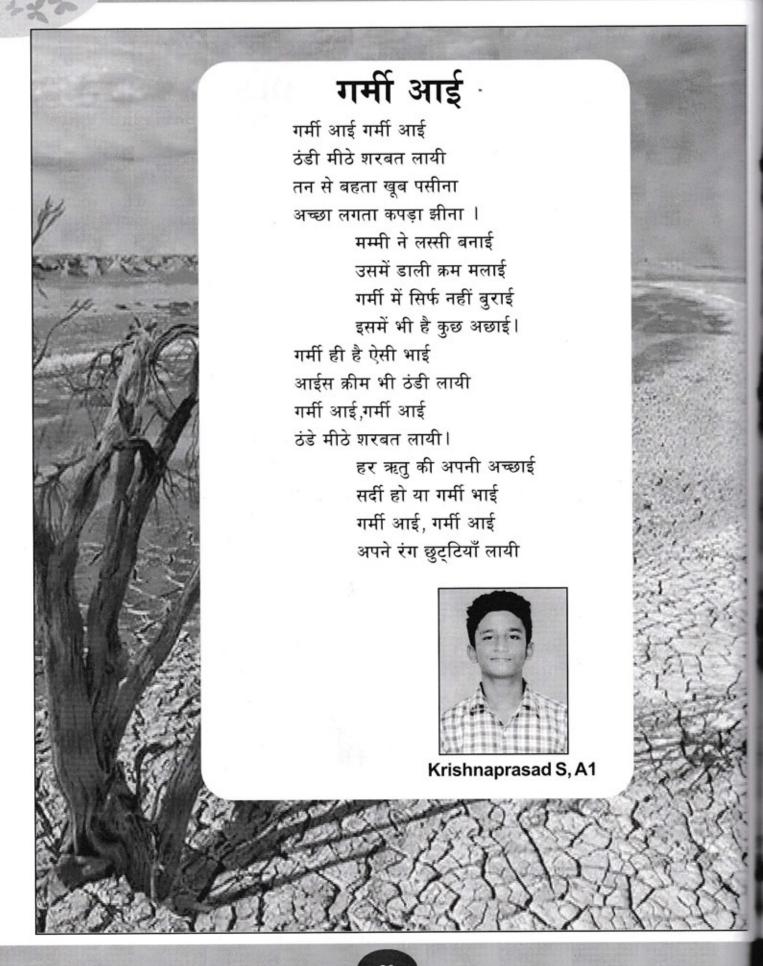
आज दुनिया बहुत बदल गयी है इसके साथ मनुष्य भी। मानव आज पैसे कमाने केलिए सुबह से शाम तक काम करते है। जीवन के हर क्षेत्र में प्रतियोगिताएँ है इसके कारण आज की दुनिया बहुत तनावपूर्ण भी है, इस् तनावपूर्ण वातावरण में मनुष्य के एक सच्ची मित्र की आवश्यकता पडती है, सच्चा मित्र ही इस कार्य को कर सकता है, सच्चा मित्र है जो हम अपनी परशानियों के बारे में कहने से पहले हमारे प्रश्नों को समझकर हमें आश्वास देते है।

मित्रों का चुनाव हम बहुत सावधानी से करना चाहिए हमारे पास पैसे है तो हम किसी भी चीज़ खरीद सकते हैं, लेकिन एक सच्चा मित्र को नहीं, मित्रों के चुनाव पर हमारी जीवन की सफलता निर्भर हो जीती है, क्योंकि संगत का प्रभव हमारे आचारण पर अवश्य पडता है। एक सच्चा मित्र हमारी खुशी में नहीं, लेकिन दुःख के समय भी हमारा साथ देता है।

लेकिन आज की दुनिया में सच्चे मित्रों की बहुत कमी है। मनुष्य बहुत स्वार्थी है। वह हमेशा ये देखते है "इसके साथ मुझे कुछ लाभ मिलता है तो ये मेरा मित्र है"। आज मित्र सिर्फ लाभ बनाने का उपाय बन गया है।ये सच्चा नहीं हम और अपने मित्र के बीच सच्ची सहानुभूती होना चाहिए। सच्चा मित्र हमारी ज़िंदगी के एक अमूल्य तोफ़ा है। इसको मन ही मन से प्यार करना चाहिए। इस विद्यार्थी जीवन में हमें मित्रता बनाने को प्रयास करना चाहिए।



Salman UI Fariz. M.A,A1





Smt. Sudha Nair (Staff Secretary)

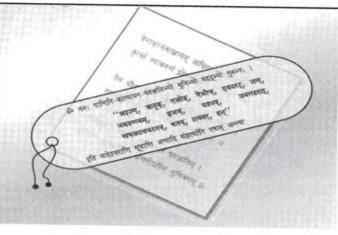
Smt. Nazeema C.M. (Teacher in charge Arts Club)



Sri. Santhosh Kumar (P.T.A. President)



Sri. O. B. Sudharsanan (P.T.A. Secretary)



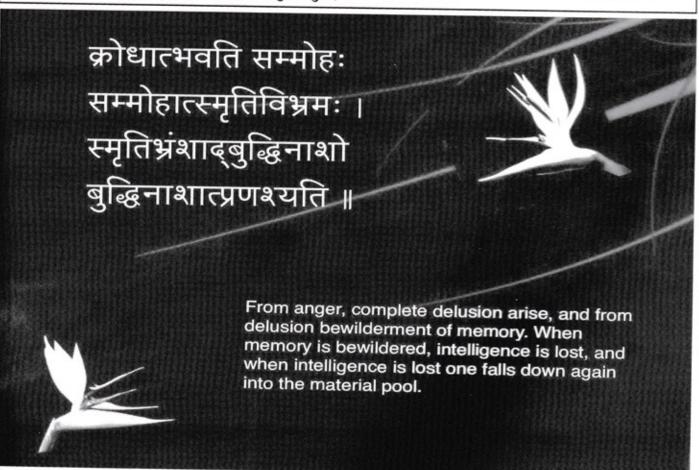
संस्कृतं अस्माकं देवभाषा भवति। प्राचीन कालेपि जनः संाकृतम् वदतु मारभते। महे विद्यालयं, विदद्यालयम् अनु स्सकृतम् शिक्षण केदद्रेषु वा संस्कृतम् अथीत्य संसकृतवृत्तिं "तदन्यां वा कृत्वा जीवनम् थापयन्तः स्म। संकृतसंबधीन कार्यक्रमे सञ्जालकरूपेण, शिकक्षकरूोण वा तदा तदा केचन अगछन्ति। पाठियविवषयः ससकृतम् उपस्थापनीयं वस्तु संस्कृतं,

संस्कृतम् अस्माकं देवभाषा

किन्तु रसकेन्द्रितविषयः सम्बध्दविवरणानां श्रवणं विधेयं भवति अस्माभिः संस्कृतेन एकेन कारणेन विविधेषु पदवीषु विराजमानः अस्मासु बहवः पदवीं प्राप्तुं निरन्तनप्रयत्नः कृतः; स्यादेव। संस्कृतकारणेन एव उपजीवन भीत्यतः; सदा सर्वदा तत् स्मरणीयम्। कृतमस्ति अतः अहमस्मि इति स्यन्तं स्मरामः।



Devika - S





സഹപാഠി

നിൻ മന്ദഹാസം മറഞ്ഞു നിഴലായ് നെഞ്ചിൽവിരിയുന്നെന്നും ധ്വനിയായ് മൊഴിയൂ നിൻ കനവും നിറയുന്നീ ചുവരുകളിൽ ചായക്കൂട്ടുകളാൽ നീ തീർത്ത വിസ്മയങ്ങൾ നിൻ ഓർമ്മകളായ് എന്നും തഴുകുന്നു ഇടവേളകളിൽ ഹൃദയത്തിൽ കോണിൽ നീ എന്നും ഒരു പൂവായ് ചൊരിയുന്നു നിൻ വസന്തം മറക്കാനാകാത്തൊരു നാളമായ് എന്നും കൂട്ടുകാരാ നീ

വിനായക് പി.

ജീവിതും ഒരത്ഭുതയാത്ര

ജീവിതം അത് എത്ര മനോഹരം ജനനത്തിനും മരണത്തിനും ഇടയിലുള്ള ഒരത്ഭുതയാത്ര അതിൽ ബന്ധങ്ങൾ ഉണ്ടാകുന്നു ബസൂനങ്ങൾ ഉണ്ടാകുന്നു മിത്രങ്ങൾ ഉണ്ടാകുന്നു ശത്രുക്കൾ ഉണ്ടാകുന്നു യഥാർത്ഥരക്കിൽ ആരാണ് മിത്രം? ആരാണ് ശത്രുള്ല മിത്രമായിതീരും ഒരുനാൾ ശത്രു ഉണ്ടാകും ശത്രു സഹായത്തിന് വേണ്ടുവോളം തന്നുട്ടെ ലക്ഷ്യം കൈവരിക്കുമ്പോൾ അർത്ഥവത്തായിടും ജീവിതം... പ്രിയപ്പെട്ടവർ പിരിഞ്ഞുപോകും ഒരുനാൾ പൊരുതണം നാം എന്നും ജീവിതത്തിനായി..... സഹായിക്കണം, സ്നേഹിക്കണം, സന്തോഷിക്കണം പരസ്പരം നാം ജീവിതം എന്ന അത്ഭുതയാത്രയെ മാറ്റണം വേറിട്ട യാത്രയായി....

നിഷിദ

അകന്ന് പോയെന്റെ ബാല്യകാലം കുതിച്ച് കൊണ്ടോടിയെത്തിയെന്റെ സൗഹൃദം കിണുങ്ങിച്ചിരിച്ചുകൊണ്ടോടി മറഞ്ഞ ബാല്യം ക്ഷണിക്കുന്നു നിന്നെ ഞാൻ ഒന്നുകൂടി കളിച്ചും ചിരിച്ചും മലക്കം മറിഞ്ഞും കുതിക്കുന്ന കാറ്റിനൊടൊപ്പം പറന്നും പുതിയൊരുഷസ്സിനെ പുഞ്ചിരിയാൽ വരവേറ്റും നടന്നൊരാ ബാലൃമേ.. കൊതിക്കുന്നു നിന്നെ ഒന്നുകൂടി പുണരാൻ കൊച്ചരിപ്പല്ലുകാട്ടിച്ചിരിക്കുന്ന ബാല്യമേ... മറന്നുപോയി ഞാനിന്നൊരു നിഷ്കളങ്കച്ചിരി കാപടൃമീലോകം കരുണ മറന്ന്പോയ് കതിരുകളിലെല്ലാം വിഷം നിറച്ചീടുന്നു മറക്കണം ഈ കാപടുലോകം ഒരു നിമിഷത്തേക്കെങ്കിലും വരുമോ ബാലൃമേ ഒരു സ്പപ്നമായെങ്കിലും തരുമോ നൈമിഷികമെന്തെങ്കിലും ഒരു സിച്ഛന്ദലോകം



ഹന്നാബി, A2

ബാല്യത്തിനൊരു

ക്ഷണക്കത്ത്

ഇന്നലെ

ഇന്നുമോർക്കാൻ എന്നുമോർക്കാൻ എനിക്കുമുണ്ടൊരുഷസ്സിനെ കുഞ്ഞുപൂവും തെന്നിളം കാറ്റും ചാറ്റൽ മഴയും ആഹ്ലാദം നിറച്ചൊരാനാളുകൾ ഒരു പുഞ്ചിരിയിലും നിറഞ്ഞിരുന്നു ഒരായിരം സ്നേഹപ്പൂക്കൾ തൻ സുഗന്ധം ഓരോ സ്പർശവും വാത്സല്യത്തിൽ തിരയിളക്കങ്ങൾ മാത്രം ഹാ! എത്ര സുന്ദരമീ ലോകം അറിഞ്ഞതില്ലാ, ഞാൻ പക്ഷേ ആ നാളുകൾ തൻ ആനച്ചന്തം അതെൻ ഭാഗ്യമായിരുന്നു....



ശുതി അനിൽകുമാർ, B1



ബാല്യം

ഓരോ ദിനങ്ങൾ പൊഴിയുന്നു ഋതുഭേദങ്ങൾ പോയി മറയുന്നു എൻ ജീവിതത്തിൻ വസന്തമാം ബാല്യം അത് പൊഴിയുമ്പോളെവിടെയോ മനസ്സിനാഴക്കയങ്ങളിലെവിടെയോ ഒരു തിരയിളക്കം അലയടിക്കവെ സുന്ദരമാം ഈ അനുഭൂതികൾ സമ്മാനിക്കുമീ ബാല്യം അതു എവിടേക്കെന്നില്ലാതെ മായവേ ഇനിയൊരിക്കലും കിട്ടാത്ത സുന്ദര ബാല്യത്തിനായ് എൻ മനം തുടിക്കുന്നു കൊതി തീരും മുമ്പേ അകന്നുപോയി എന്നിൻ നിന്ന് ആരും കൊതിക്കുമാ കുട്ടിക്കാലം തിരികെ ലഭിക്കാത്ത എൻ ബാല്യകാലം...



മെറിൻ മാർട്ടിൻ, B1

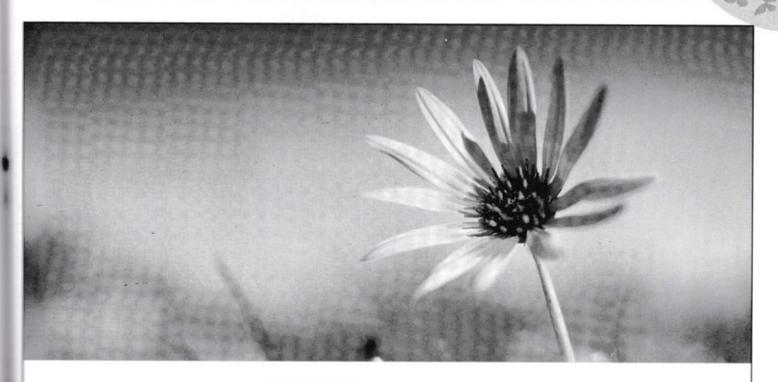
मंज़िल पर सफलता

सफलता एक व्यक्ति के मन में है। जीवन में हमेशा हम सफलता प्राप्त केलिए प्रयत्न करते है। बचपन में सारे लोग कहते हैं कि, मेहनत करो ताकि तुम जीवन में साफल हो जाएगे।

अलग अलग लोगों को साफलता के बारे में विभिन्न मत हैं। कुछ लोगों केलिए सामाजिक स्थिति और धन से ही मतलब है। दूसरों केलिए सफलता केवल एक मानता है जो खुशी की राशी पर निर्धारित है। कुछ लोगों केलिए ही पैसा ही सब कुछ है। वह जीवन में सफलता होना केलिए धन है काफी है। इनके लिए अच्छे काँलेज में जाना और अच्छे ताकती मिलना बहुत ज़रूरी है, इससे ही वह अपने मन व सफलता प्राप्त करेगा।

जीवन में सफलता होने केलिए किट परिश्रम, एकाग्रता बडा का आशीर्वाद, अत्यं जरूरी है, इन सबसे हम हो सकते हैं जीवन विजय एक व्यक्ति अपनी मन में विश्वास रख फिर सफलता आए।

Megha

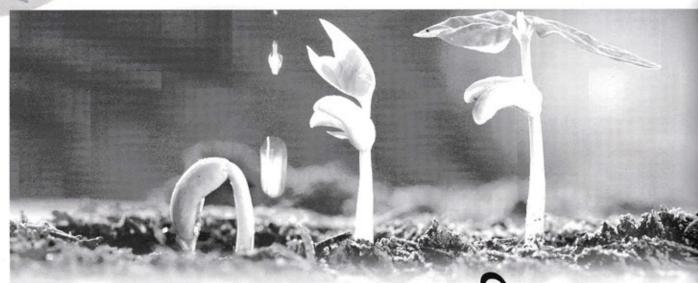


सच

सच में जीवन एक नाटक है
इसके संचालक भगवान है।
हम सबको इस में भाग लेता है।
सच में जीवन कठोर पत्थर है
इस कोई भी तोड नहीं सकता
सच में जीवन एक पहेली है,
इसे कोई भी हल नहीं कर सकता।
सच में जीवन गणित है
इस में हम मित्रता बढ़ाते हैं।
शत्रुता घटाते हैं।
सच में जीवन तो बरफ है,
इसलिए इसके पिघलने से पहले
हमें जीवन के सारे मज़े चख लेना है।



Annet George



सफलता का बीज

एक बीज घा गया बहुत ही गहराई में बोया उस बीज के अंतर में था नन्हा पौधा सेंगा

उस पौधे को मंद पवन ने आकर पास जागया नन्हीं नन्हीं बूँदों में फिर उस पर जल बरसाया।

सूरज बोला प्यारे पौधों निंदा दूर भाग ओ।" अलसाइ आंखों खोलो तुम उठ कर बाहर आ ओ।।

नींद छोड आलस्य त्याग कर पौधा बाहर आया। बाहर का संसार बड़ा ही अद्भुत उसने उसने पाया।।



Shilpa

CIVIL SERVICE FOUNDATION CUM PERSONAL EMPOWERMENT PROGRAMME **FOR STUDENTS** ANNIVERSARY





Igniting your Dreams



ALUVA

8089 763 113 | 9895 725 117 Bharat Building, Temple Road, Bank Jn.

STUDY **CENTRES** **ERNAKULAM**

8893 777 096 9895 725 117

Tharakandom Estate, Kurisupally Road, Ravipuram

info@mdacademy.org.in

ANGAMALY

702 558 2731 9895 725 117

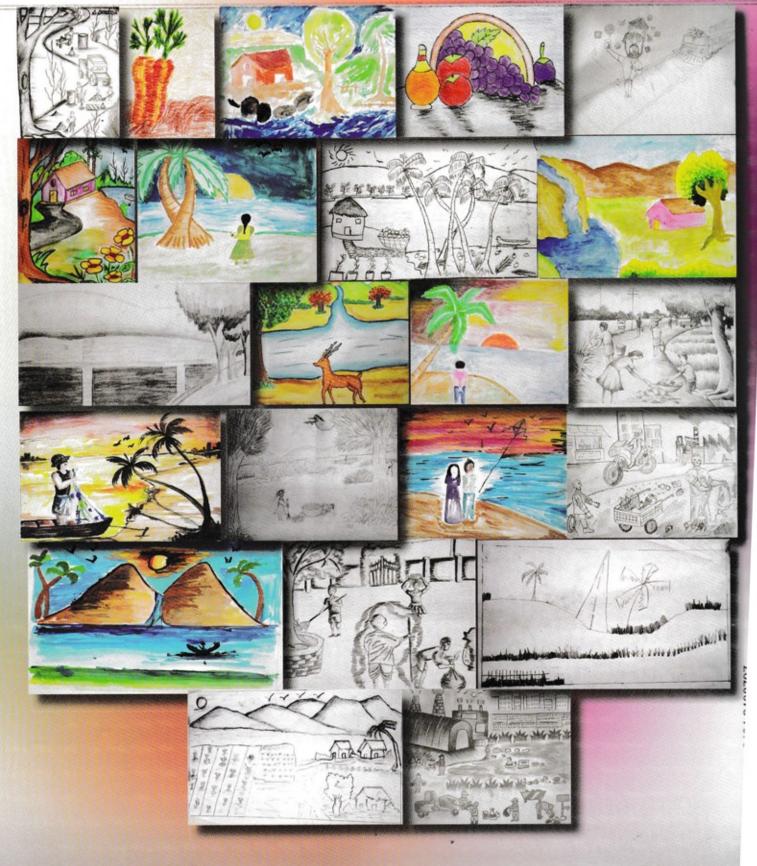
Viswajyothi CMI Public School

www.mdacademy.org.in





Drawings



SSLC FULL A+



ACHYUTH UNNI



TULSI SHYAM



ABHIRAM SUDHARSANAN



SREELAKSHMI M. A.



SREELAKSHMY D.



SARANYA RAJINDRAN



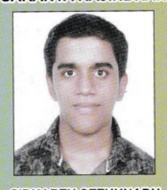
SRADHA SREEKUMAR



SIVAPRIYA M. R.



STAPOURNAMI B. NAIR



SIDHARTH SETHUNADH



SAMSON THOMAS



RANJANA N. A.



PRANAV S.



PRAJITH A. J.



NIMMY K. JOLLY



NANDANA BABU



WI_ - AWWED RAMIZ



MIDHUN RAJU



MANSOOR MAJEED



LAKSHMI JAYAPRAKASH

SSLC FULL A+



KARTHIK S.



JISHNU SURENDRAN



GOPIKA V.



FAHMITHA KAREEM



FATHIMA C. A.



FAHIM MUHAMMED



FAHAS BAZIL K. J.



DEVI CHANDANA



AYOOBKHAN



ASWIN ASOKAN



ASHNA P. M.



ANJANA V. MANI



ANJALI SUBASH



AKSHAY RAJEEV



AKSHAY M. S.



ADWAITH KRISHNA



PRANAV P. J.



ADITI ANEESH



VISHNU C. S.





SREELAKSHMI SUNDARAN ABHISHEK MOHAN



VINAYAK S. NAIR

PLUS-II FULL A+



SAI PRASAD P. V.



JYOTHSNA NAIR



ANANDU M.



HANA P. ANWAR



ARAVIND S.





RAMACHANDRAN MUHIYADHEEN ARSHAK M. S.



KALYANI KURUP



MEGHA UNNIKRISHNAN ANILA SARA DAVID





ANJU J. K.



DEVIKA BABU



KRISHNAJA K.



S. HARIPRIYA



ROHITH V.



PENU POULOSE



MEENU NOUSHAD



ANJALI ANIL



A. ANANDA KRISHNAN VIDYALAKSHMI





ANAGHA SHAJI



PALLAVI A RAO



AISWARYA S.



DEVIKAS.

Congratulations!!! Proficiency Prize Winners



ARDRA ARUN STD I



NIRANJANA A. NAIR STD II



NANDANA HARIDAS STD III



AKHILA AJI STD IV



MEENAKSHI SANTHOSH STD V



ABHILASH P. B. STD VI



KRISHNAPRIYA STD VII



ADWAITH SHABU STD VIII



THILLAI RAJ STD IX



SUDEV T. XI - A1



GAYATHRI XI - B1



DEEPAK DINAKARAN XI - C1

X

SUCCESS...... all depends on the second letter U



OUTGOING STUDENTS

SUCCESS...... all depends on the second letter U





SUCCESS...... all depends on the second letter U

PLUS TWO **OUTGOING** STUDENTS 2017-2018







Wen Teaching Staff



P. T. A. Excentilize Committees







Damodaran, cine playback singer of Damodaran, Manager Shri Damodaran, Manager Shri Damodaran, Manager Shri Damodaran, Colleagues, Darents, Well-Back, Ladies and gentlemen,

Report of Vidyadhiraja Vidya Bhavan Higher School, Aluva, for the Academic Year 18. Before I begin, let me pay my obeisance Almighty and that of our founder, Swami alananda Theertha.

as founded in 1972 by Swami Gopalananda
Swamiji was a great visionary with clearleals and goals. He felt that education,
moral education, was very essential for
ment of the society. This led to the formation
Bhavan Trust, under whose patronage
Saraswathi Kshetra has been making giant
forward.

*CADEMIC YEAR 2017-18:

School re-opened for this Academic Year on 2017. We have 1,820 students and 80 staff rolls. We have classes from LKG to Academic, we teach yoga, music, dance, etc. We have Scouts, Red Cross and National Service Scheme for our students. This year we are presenting adents in Class XII, 149 in Class XI and 143 in Class X for the Public Exams in March

WCHEVEMENTS IN MARCH 2017 PUBLIC EXAMS:

Plus Two Exams in March 2017, we and 150 students and secured cent per cent with 21 A+ in all subjects. Our school Topper Mandana V Prabhu of Commerce group with In Class X Public Exams, we presented students and secured 100 per cent results with in all subjects. My hearty congratulations to winners, their parents and the dedicated and prayers of the staff of Vidyadhiraja, which all our achievements. We owe this to the

blessings of the Almighty and that of our founder, Swami Gopalananda Theertha.

SCOUTS & GUIDES:

We have about 54 Scouts and 66 Guides. Ten Guides and six Scouts passed the Rajyapuraskar Exam. 13 Guides and six Scouts appeared for the Rashtrapathy Exam. 40 Scouts and Guides participated in the national Study Camp at Idukki and also visited Chinnar Wildlife Sanctuary. Apart from regular activities, the Rashtrapathi students conducted 36 hours of Anganwadi work and made a vegetable garden. They also attended the Jota Jotti Camp and National Jamboree.

RED CROSS:

We have 57 Junior Red Cross members in our unit. 20 JRC cadets are writing their 'C' level Exam. Anagha Rajeev and Dinesh R were selected as student doctors and were given First Aid Training by Indian Red Cross Society.

NATIONAL SERVICE SCHEME (NSS):

We have 44 NSS volunteers each in first and second year. The NSS activities for this Academic Year were flagged off with our Dt. Collector, Shri K. Mohammed Y Safirulla's "Ente Kulam" programme. Our volunteers cleaned a pond in Vazhakulam. The other important programme by our volunteers were, planting 2,500 trees in accordance with Green Protocol. They joined with another social or gani zation and planted 2,500 trees on 5th June in our Campus, Municipal Park, our School ground and in the nearby areas. There were two medical camps - one in our Campus on Lifestyle Diseases and another an Eye Camp conducted at Uliyannoor, our adopted Village. They compiled a blood donors' directory of about 200 persons. The other programmes were, visit to orphanage, old-age home, community and campus cleaning, banana cultivation, cleaning a place of historic importance, etc. The Seven-day Residential Camp for first year volunteers was held at Govt. HSS, Kuttamassery. All the staff and students actively participated in all the activities.

KINDER GARTEN SECTION:

The tiny tots were ushered into the world of learning on 7th June. The Induction Ceremony for Tiny Tots

was inaugurated by Shri Sundaram Govind, Chairman, Geetha Bhavan Trust. In the Kinder Garten section our students are trained in Music. Dance and Geetha Chanting, apart from academics. The KG students danced to the beats of 'Kadam kadam badhaayie.' The students actively participated in making Pookkalam along with teachers and sang Naadan Pattu. The KG students were taken for educational tour to sparky's and Thanneerchal. They took part in a rally in and around the School in connection with Children's Day. The cultural and sports festival was conducted in October and November and prizes given to the winners. The Kids' Fest was celebrated on 6th December. It was inaugurated by Kum. Arathy Gopinath (Super Dancer 7 fame). It was followed by variety entertainments by the tots. The kids were given a class on Good & Bad Touch by the Mothers' Forum members. Our students participated in Geetha chanting competition conducted by Chinmaya Mission. Nanda Kishore H of UKG C won the third prize in the State-level competition. Vaishnav V Pai won the third prize in colouring competitions conducted by YMCA and KLM Foundations.

CELEBRATIONS:

All important days and events were celebrated in an apt manner by the students. The celebrations started on 5th June – Environment Day. Our NSS volunteers planted saplings in the School and joined hands with another environmental activist group, Pacha Viral and planted 2,500 saplings in and around Aluva. Reading Day was celebrated by collecting books from NSS volunteers and making a mini library for NSS and conducting a book exhibition in the School. In connection with Reading Day, the Library Council conducted competitions. Rekha S Nair of Class V won the 7th place. A class on 'Drug Abuse' was conducted on International Day against drug abuse. Guru Poornima was celebrated by performing paada pooja to Smt. Remani (a retired teacher). Ramayana Month celebration was flagged off with a message by Shri PN Raman Namboothiri on the effectiveness of Ramayana even in the present context. Dr. APJ Abdul Kalam Memorial Day was celebrated with a power-point presentation on Dr. Kalam and putting up his quotes in the class-rooms. Independence Day was celebrated with patriotic fervor. Flag was hoisted by the Principal. There were march-past, drills, exciting scenes from freedom movement enacted by students and also patriotic songs. Swami Gopalananda Theertha Samadhi Day was celebrated by a visit of Class X and XII students to Nochima Ashramam to pay their respects at Swami's Samadhi.

On World Population Day, 60 of our students participated in a Seminar conducted by *Aluva Paristhithi Samrakshana Sangam*.

On November 1st, *Kerala Piravi*, Smt. Mini Alice from UC College gave a message.

A Neem sapling was planted to create awareness against Drug Abuse.

EDUCATIONAL TOURS:

All students from LKG to Standard X were taken for educational tours to places like Sparky's Thanneerchal, Dream World, Thattekadu Bhoothathankettu, Munnar, Thiruvananthapuram Mysore, Bangalore and Ooty.

SEMINARS:

Seminars and motivation classes for students were conducted under the guidance of the PTA. A class was conducted for LP students by Dr. Anas on 'General Hygiene & How to Differentiate Good & Bad Touch.' A motivation class for Class VIII and IX was conducted by Shri Suresh, renowned HR Trainer Swami Atmananda Theertha conducted a full-day class for students of class X, XI and XII. There was a phonetic orientation class for KG and LP teachers by Jeeva Pranava Kendra. Swami Atmananda Theertha conducted a class for teachers on 'Positive Thoughts & Effective Teaching.' There was a motivation class for Class X by Shri Varghese Paul and for Class IX by Adv. Fijo. Shri Vishnu conducted a class for Class X students by sharing his personal experience. He was a very backward student during his SSLC days. Only in December he started learning with a bang - with hard work and determination. By Model Exam, he secured more than 60% marks. There was a class each for Class X students, parents, Class IX parents and Class X all batches by Shri Sandeep, who is a motivational expert and an alumni of Vidyadhiraja.

An awareness on the ill-effects of tobacco and parmasala was given to the students by Shri Faizal. Sub-Inspector of Police, Aluva. In connection with the De-worming Day, an orientation training programme was conducted by Health Department officials.

OUTSIDE COMPETITIONS

The Legal Services Authority had conducted Quiz competitions at School level, Taluk level, District

and State level. Class XI students. akshmi, Aysha Ameena and Class XII student secured District 3rd. In the Power Quiz mediated by KSEB, Aravind S and Sai Prasad manufacted in the State level competition held at In the Quiz competition conducted by mummel Nature Club, Mukthisena of UC College Department and a host of Quiz competitions, Pasad and Aravind S secured the first and place, respectively. The Ramayana and Quiz competitions conducted by Mahadeva Temple, our HSS students the overall trophy for 4th time, LP managions, HS Second and Overall Champions. See Class XII Commerce students were taken on a SEBI (Securities & Exchange Board of India) a first-hand knowledge of its working as it is a Shri Ajith has conducted a for these students on Stock Exchange.

Mational Anthem & Patriotic Song competition and by YMCA, the HSS team won 1st place song and National Anthem competitions was runners-up. Vivas Jawahar, Vivek Adwaith Shabu won the USS scholarship.

PCM Scholarship Exam, 11 students of LKG
extudents of UKG secured a cash award
L-each, while 22 from LKG, 26 from UKG,
standard, four from second standard,
mind standard and two from fourth standard
a cash prize of Rs.201/- each.
andran of Class VIII participated in PT
Panicker Memorial Balasashtra
and won second in Quiz and fourth in
Encyclopedia Preparation at State level.
Library' conducted by International Book
Achyuth Unni of Class X become winner.

Dance Festival conducted by Sree
School of Dance and they presented
programme. In the Sastra Sadas
Tripunithura Sanskrit College, Achyuth
Class X won the second place in Quiz and
third place in Padya Parayanam.

JAYANTHI CELEBRATIONS:

Jayanthi was celebrated as Parents'
The programme began with the Deepashikha from Nochima it was followed by a procession which the Deepashikha was brought to the Deepashikha was accorded at

Swamiji's feet. The Inaugural Session was attended by famous personalities. Swami Gopalananda Theertha Memorial Lecture was by Shri Mohanan Nair Ponnackudam. Shri Venu V Desom released a book of poems by our Class IV student Master Sreerag Sajeev. The books was titled 'Annarkannan.' It was followed by an orientation class for parents by Dr. M.V Natesan, Associate Professor, Sri Sankara Sanskrit University, Kalady. The topic for discussion was 'Modern Society & Parenting in Modern Context.' After a sumptuous feast, the parents had a feast for their ears with a superb light music programme by parents and staff of Vidyadhiraja.

ONAM:

This year, Onam was celebrated with usual pomp and gaiety. There was floral pattern making by the students and staff. This was followed by Onam songs, Thiruvathirakali and other items by the students. The boys on the other hand were engaged in *Uriyadi* and *Vadamvali* competitions. The celebrations concluded with Maveli's visit to all floral pattern and distribution of prizes to the winners. For the first time, we tried to give a sumptuous *Onasadya* to all students and staff.

KALOLSAVAM:

The School-level kalolsavam was held on 14th and 15th September. In the Aluva Sub-district Kalolsavam, we bagged the overall trophy for the 24th consecutive time, securing 677 points. In the HSS, we were champions with 207 points, in HS also champions with 187 points. HS Sanskrit first with 89 points, LP and UP, third with 49 and 60 In the District-level points respectively. competitions, our School was runner-up in HSS section with a difference of only one point with the winner by securing 118 points. In HS, we secured second place with 85 points and in HS Sanskrit we secured sixth place with 44 points. In UP Sanskrit first place with 85 points. In the just concluded Kerala State School Kalolsavam held at Thrissur, we had more than 125 students participating in vivid items and we are glad to say that overall our school secured the 10th place with 96 points.

SASTROLSAVAM:

The School level Science, Maths, Social Science, Work Experience and IT Exhibitions were held on 13th September. The best exhibit in each category was selected to represent the School in the Sub-District-level. In Sub-District Sastrolsavam, the HSS team secured overall first and HS team runners-up and the winner in Science. In Quiz competition

conducted in connection with Sasthrolsavam, Sai Prasad participated in the State-level in HSS Maths section. In Science, Aravind S got third place in District level. Krishnapriya of Class VI secured 'A' Grade in Beads work competition at State level Work Experience Fair.

In Maths, HSS team was runners-up and HS team secured the third place. In Social Science, the HS team and HSS team secured the fourth place.

SPORTS:

A healthy mind in a healthy body so goes the adage. If you have a healthy body then you will have a healthy mind. We are striving hard to create a healthy body in our students even though we have some constraints regarding proper facilities for practice of sports and games. This year, the Sports Day was inaugurated by our Manager, Shri Sankar Sir. The LP Sports Day was on 11th January and UP and HS sports on 12th January, 2018. Blue House emerged as champions and Red House were runners-up. The best athlete was Ashwal KS of Class X. Sanjay and Adish Prakash of Class X and Vishak of Class IX, Mohd. Arshak of Class XII, Navneeth G and Ajith Wilson of Class XI got selected for District Cricket Team and Mohd. Rafi got selected in Football. 20 of our students participated in the District Athletic Meet.

ANNUAL DAY

The 42nd Annual Day celebration of the school was celebrated on 25th January 2018. The school captian Aravind. S welcomed the gathering. The programme was precided by the Managing Trustee of our school Sri. P.N. Raman Namboothiri. It was inaugurated by Sri. R.K. Damodaran, famous lyricist & Sri O.U. Basheer of Kairali T.V., Patturumal fame, distributed the prizes. The audience rocked to the litting numbers of Sri. Basheer. The Principal Smt. Latha. M. presented the annual report while Headmistress Smt. Rema devi, Manager Sri. K.P. Sankaran, PTA President Sri. A.C. SanthoshKumar offered felicitation, Kumari Tulsi Shyam offered the vote of thanks.

PTA:

We have a very active Parent-Teacher Association which works in a harmonious spirit for the weifare of the School. The Parent-Teacher Association is headed by Shri AC Santhosh Kumar and Shri Sudarshanan as Secretary. The PTA is quick to point out our drawbacks and also lend a very supportive role in all the activities of the School. My heartfelt thanks to the PTA for their support.

CONDOLENCE:

This has been a tumultuous year for our students : some of our students have lost their near and dear ones. I deeply condole the death of Shri Sanil Kumar father of Akshay, Standard VI, Shri Shafi (or Shaji?) father of Gautam Shaji, Standard VII. Shri Anil Kumar father of Arjun Anilkumar, Class X and Anjana, Shr Krishnakumar, father of Devi Krishna, Class XII. We also lost two of our dear sons this year in an accident during Onam holidays. Sravan PS of Class XII and Vinayak who passed out last year. Smt. Manjusha Smt. Preetha and Smt. Seema - teachers of this institution - lost their fathers. We also lost our Chief Patron, Shri Bhaskerji and our former Manager, Shri Parameswaran Pillai Sir. Our heartfelt condolences to all the bereaved families. May the Almighty give enough courage to their families to tide over the situation and bear the loss.

STAFF:

We have around 80 dedicated staff in our institution. I place on record our sincere appreciation to the dedicated team of staff, both teaching and non-teaching, who have helped us achieve what we are today. My appreciation to the supportive spouses and families of these staff.

THANKS:

I place on record my sincere thanks to Shri K.P. Sankaran, our Manager, Adv. M.K. Padmanabhan Chairman, Geetha Bhavan Trust, Shri P.N Raman Namboothiri, Managing Trustee, and all other members of the Trust, Shri Sundaram Govind former Chairman, Geetha Bhavan Trust, Smt Rema Devi, our Headmistress and all our well-wishers for their blessing, support and advice in the best of this institution. My sincere thanks to all the parents and other well wishers.

Once again I extend my whole-hearted thanks to everyone. I end my report with a small quote: "Put your heart, mind and soul into even your smallest acts – this is the secret of success."



Thank you



L.P SECTION



ഒരിടത്തൊരു കുഞ്ഞുറോസാപ്പുവുണ്ടായിരുന്നു. ഇല്ല ഭംഗിയുള്ളതും ചുവന്ന നിറമുള്ളതുമായിരുന്നു ടോറോസാപ്പൂവ്. അതിന്ടുത്ത് വണ്ടുകളും പൂമ്പാറ്റ കളും കിളികളും വരാറുണ്ട്. അതുവഴി രണ്ടു കിളി ചർ പറന്നുപോവുകയായിരുന്നു. ഒരു കിളി പറഞ്ഞു, ഇലുക്ക് ആ റോസാപ്പൂവിന്റെ അടുത്തു പോവാം. ചന്നാൽ നമുക്ക് ആ കുഞ്ഞുറോസാപ്പൂവിന്റെ അടുത്തു

അവർ അങ്ങനെ പറന്ന് കുഞ്ഞുറോസാപ്പു ചാന്റ് അടുത്തുപോയി. അപ്പോൾ ഒരു കിളിയുടെ ചാക് റോസാച്ചെടിയുടെ മുള്ളിൽ ക്കൊണ്ട് ചോരവ ചാകുടെയുണ്ടായിരുന്ന കിളി കൊത്തിമിനുക്കിക്കൊ ചായു. അവർ അങ്ങനെ സന്തോഷത്തോടെ പറന്നു പോയി. ഭദ്രാ വിജയൻ

III C



പാറിനടക്കും തത്തമ്മ പച്ച തത്തമ്മ.

കൂട്ടിലിരിക്കും തത്തമ്മ കുഞ്ഞി തത്തമ്മ.

പഴങ്ങൾ തിന്നും തത്തമ്മ പാവം തത്തമ്മ.

പാട്ടുപാടും കൂട്ടുകൂടും സുന്ദരി തത്തമ്മ.



ശ്രീവേദ് പി.എസ്.

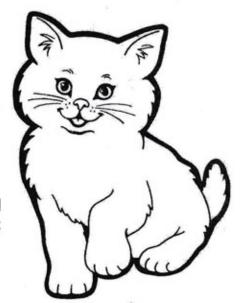
I-A

MY PET

- Minni is a small cat
- She is my pet cat
- too is so cute and lovely too
- Minni eats fish and milk
- the catches rats and she loves me so much



Nayana Pramod





2018 ഫെബ്രുവരി 3, ശനി

ഭാരതം കണ്ട മഹാനായ തത്വ ചിന്തകനും ദാർശനികനും വേദപ ണ്ഡിതനുമായ ശ്രീ ശങ്കരാചാര്യരുടെ ജന്മഗൃഹമായ പിറവത്തുള്ള മേൽപാ ഴൂർ മനയിലേക്ക് ഞങ്ങളെ ഇന്നു സ്കൂളിൽനിന്നും കൊണ്ടുപോയി. രാവിലെ 7.30-ന് ഞാൻ സ്കൂളി ലെത്തി. ഞങ്ങൾ ഒരുപാട് കുട്ടികൾ ഉണ്ടായിരുന്നു. ടീച്ചർമാർ ഞങ്ങളെ പേരുവിളിച്ച് വരിയായി നിർത്തി. എല്ലാവരും ഒരുമിച്ച് പ്രാർത്ഥന ചൊല്ലി. എന്നിട്ട് രണ്ടു ബസിലായി ഞങ്ങൾ ടീച്ചർമാരോടൊപ്പം യാത്ര തിരിച്ചു. ബസിൽ എല്ലാവരും പാട്ടു പാടി. നല്ല രസമായിരുന്നു. പാഴൂർമന എത്തിയപ്പോൾ ഞങ്ങൾ ബസിൽനി ന്നിറങ്ങി. ചെരുപ്പ് പുറത്തു സൂക്ഷി ച്ചശേഷം ഞങ്ങൾ മനയ്ക്കുള്ളി ലേക്കു കയറി.

മനയിലെ വാതിലുകൾ അമ്പല ത്തിലെ വാതിൽപോലെ ഉയരം കുറ ഞ്ഞതായിരുന്നു. തല കുനിച്ചേ അക ത്തേക്കു കയറാൻ കഴിയൂ. ഞങ്ങളെ തെക്കിനിയിൽ പായവിരിച്ചിരുത്തി. തെക്കിനിയുടെ ഒരുവശത്ത് ഒരുപാട് ചുമർചിത്രങ്ങൾ ഉണ്ടായിരുന്നു. തെക്കിനിയോട് ചേർന്ന് നടുമുറ്റവും. സുധീർ ചൈതന്യ എന്ന സ്വാമി ഞങ്ങളുടെ അടുത്തേക്കു വന്നു.

സ്വാമി ഞങ്ങൾക്ക് ശങ്കരാചാര്യർ, അച്ഛൻ ശിവഗുരു, അമ്മ ആര്യാംബ എന്നിവരെക്കുറിച്ച് പറഞ്ഞുതന്നു. അമ്മയായ ആര്യാംബയുടെ തറവാ ടാണ് മേൽപാഴൂർമന. സ്വാമി ഞങ്ങൾക്ക് സ്വർണ്ണനെല്ലിക്കയുടെ കഥ പറഞ്ഞുതന്നു. ഞങ്ങളെ കളി കൾ കളിപ്പിച്ചു. പാട്ടും പാടിത്തന്നു.

അവിടെയുണ്ടായിരുന്ന ശ്രീലക്ഷ്മി ചേച്ചി ഞങ്ങൾക്ക് മന യിലെ മുറികൾ കാണിച്ചുതന്നു. അവിടെ ഒരുപാട് മുറികളുണ്ട്. ആദ്യത്തെ മുറിയാണ് പൂമുഖം. ഒരു മുറിയിൽ കെടാവിളക്കും ശ്രീശങ്ക രന്റെ പ്രതിമയുമുണ്ട്. ആ മുറിയി ലാണ് ശ്രീശങ്കരൻ ജനിച്ചത്. മറ്റൊരു മുറിയിൽ നാലു വേദങ്ങൾ കൂടിച്ചേർന്ന ഒരു വലിയ പുസ്തകം ചില്ലുകൂട്ടിൽ സൂക്ഷിച്ചിട്ടുണ്ട്. പിന്നെ അടുക്കളയും അതിനോടു ചേർന്ന് ഒരു ഇരുട്ടുമുറിയും കണ്ടു. ചില മുറി കളിൽ ഞങ്ങൾ കയറിയില്ല. പിന്നെ ഞങ്ങളെ അവിടെയുള്ള അമ്പല ത്തിൽ കൊണ്ടുപോയി. അമ്പലത്തി ലേക്കുള്ള വഴിയിൽ നിറയെ മീനു കളുള്ള ഒരു കുളമുണ്ടായിരുന്നു. പിന്നെ ഞങ്ങൾ അന്നക്ഷേത്രത്തി ലേക്കാണ് പോയത്. ഭക്ഷണം കഴി ക്കുന്ന സ്ഥലമാണ് അന്നക്ഷേത്രം.

അവിടെയിരുന്ന് ഞങ്ങൾ ഊണ് കഴി ച്ചു. ഞങ്ങൾക്ക് പായസവും കിട്ടി. വീണ്ടും ഞങ്ങൾ തെക്കിനിയിൽ വന്നിരുന്നു. എല്ലാവരും അവിടെയി രുന്ന് ഭജന പാടി.

ഞങ്ങൾക്ക് മനയിൽനിന്നും ഇറ ങ്ങാനുള്ള സമയമായി. സുധീർ ചൈതനുസ്വാമി ഞങ്ങളോട് ഇനിയും വരണമെന്നു പറഞ്ഞു. എല്ലാവരും ഒരുമിച്ചുനിന്ന് ഫോട്ടോ യെടുത്തു. ഞങ്ങൾ മനയിൽനിന്നും യാത്രതിരിച്ചു. 3.45-ന് ഞങ്ങൾ സ്കൂളിൽ മടങ്ങിയെത്തി.

ആദ്യമായാണ് ഞാൻ ഇതു പോലെ ഒരു യാത്രപോയത്. എനിക് ഈ യാത്ര ഒരുപാട് ഇഷ്ടമായി. ഈ അവസരംതന്ന ദൈവത്തിനും എന്റെ അധ്യാപകർക്കും മറ്റെല്ലാവർക്കും നന്ദി.



നിരഞ്ജന എ. നായർ, IIA



അണ്കാറക്കണ്ണൻ



അണ്ണാറക്കണ്ണാ ഓടി വാ മാവിൻതുഞ്ചത്തിരിക്കാൻ വാ മാവിൻതുഞ്ചത്തിരുന്നിട്ട് മാമ്പഴം തിന്നാൻ ഓടി വാ അണ്ണാറക്കണ്ണാ മാമ്പഴം തിന്നിട്ട് ഓടി വാ എന്നുടെകൂടെ കളിപ്പാൻ വാ നിന്നുടെ കൂട്ടിലെ കുട്ടികളെ കാണാൻ എന്തു കൊതിയാണ് കുഞ്ഞിനെ കാണാൻ ചേലാണ് മാവിൻതുഞ്ചത്ത് പോവാലോ കൂട്ടിലെ കുട്ടിയെ കാണാലോ.



ഗൗതം രാജേഷ്, III-A



ആനക്കുട്ടിയുടെ സ്നേഹം



ദിരിടത്ത് ഒരു കാട്ടിൽ ആന യുടെ കുടുംബം ഉണ്ടായിരുന്നു. അവ രുടേത് നല്ല സ്നേഹമുള്ള കുടുംബ മായിരുന്നു. ആ കുടുംബത്തിലുണ്ടാ യിരുന്നത് അച്ഛൻ, അമ്മ, പിന്നെ കുസൃതി കാണിക്കുന്ന ഒരു ആനക്കു ട്ടിയുമായിരുന്നു. അച്ഛനും അമ്മയും പറയുന്നത് ഒന്നും ആനക്കുട്ടി അനു സരിക്കില്ല. ഒരിക്കൽ കാട്ടിൽ ഒരു ആനവേട്ടക്കാരൻ വന്നു. അച്ഛനും

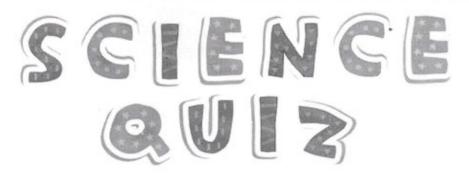
നടന്നുവരുന്നത് വേട്ടക്കാരൻ കണ്ടു. അപ്പോൾ വേട്ടക്കാരൻ കാലിൽ ആലോചിച്ചു, ഇതുതന്നെ പറ്റിയ അച്ഛന്റെ കാലിലെ വേദന മ സമയം. എന്നിട്ട് ആനവേട്ടക്കാരൻ സുഖമായി. അവൻ അച്ഛന്റെ വിഷമരുന്നുള്ള തോക്കെടുത്ത് അമ്മയുടെയും മുഖത്തു നോക അതുവഴി നടന്നുവരുന്ന അച്ഛൻ പ്പോൾ അച്ഛനും അമ്മയും ആന ആനയുടെ കാലിലേക്ക് ചൂണ്ടി. ട്ടിയുടെ നേരെ നോക്കി അത് വേട്ടക്കാരൻ എന്നിട്ട് വെടിവെച്ചു. പ്പെട്ടു. അപ്പോൾ ആനക്കുട്ടി അ വേദനകൊണ്ട് പുളഞ്ഞ ആന യുടെയും അച്ഛന്റെയും മുഖര ചിന്നംവിളിച്ചു. നമ്മുടെ അച്ഛന്റെ നോക്കി പറഞ്ഞു, നിങ്ങൾ എ ദേഹത്ത് എന്തെങ്കിലും പോറലേ നാണ് എന്നെ സൂക്ഷിച്ച് നോ റ്റാൽ നമുക്ക് സഹിക്കാൻ പറ്റുമോ? ന്നത്? അപ്പോൾ അമ്മയും അച്ഛ ഇല്ല! ഇങ്ങനെതന്നെയാണ് ഇനി ആനക്കുട്ടിയോട് പറഞ്ഞു, നിന അവിടെ സംഭവിക്കാൻ പോവുന്ന ഞങ്ങളെ ഇത്രയ്ക്ക് ഇഷ്ട ത്. വേഗം ആനക്കുട്ടി വീട്ടിലേക്കോ ണെന്ന് ഞങ്ങൾക്കറിയില്ലായ ടി. എന്തിനാണ് അവൻ ഓടിയ ന്നു. അങ്ങനെ പറഞ്ഞ് അച്ഛ തെന്ന് അമ്മയ്ക്ക് മനസ്സിലായില്ല. അമ്മയും ചിരിച്ചു. ഹ...ഹ...ഫ ബുദ്ധിമാനായ ആനക്കുട്ടിയെ അതുകേട്ട് ആനക്കുട്ടിയും ചിര് പിന്തുടർന്നോടിയ വേട്ടക്കാരന് ഹ...ഹ..... കാട്ടിൽ വഴിതെറ്റി. ആനക്കുട്ടി വേഗം കാലിന് വേദന മാറാനുള്ള മരുന്നെടുത്ത് അച്ഛന്റെയും അമ്മയു

അമ്മയും ആനക്കുട്ടിയും അതുവഴി ടെയും അടുത്ത് തിരിച്ചെത്തി. അ ക്കുട്ടി വേഗം മരുന്ന് അച്ഛ പുരട്ടിക്കൊടുത

നിള നാ







1. Which is the biggest butterfly?

Garudashalabham

2. Which is the smallest butterfly?

Ratnavali

3. Which spices is called black gold?

Pepper

4. Which is queen of spices?

Cardamom

5. What is the biggest fruit?

Jackfruit

6. Which is the fruit name and its colour same?

Orange

7. Which is the flower name and its colour same?

Rose

8. Which is our state fish?

Green chromide (Karimeen)

9. What is the king of fruits?

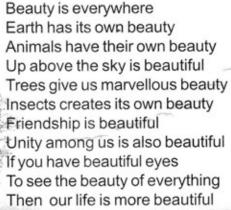
Mango

10. Which is the smallest flower in world?

Wolffia



Sreebhadra Prasad, III B





Parvathy. R, IV A

BEAUTY

THOUSON DIGITAL STUDIO & VIDEO

PHOTOGRAPHERS - VIDEOGRAPHERS NEAR K.S.R.T.C. BUS STAND, ALUVA - 683 101

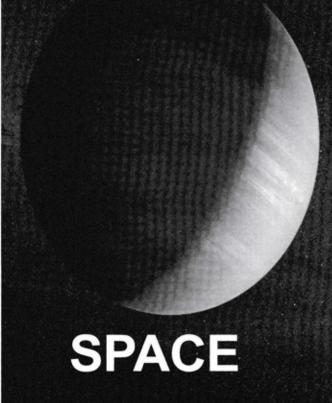
Mobile: 98470 40900, 9249733641 E-mail: vtfrancis1@gmail.com

MY DREAM

I love dreams My heart full of dreams I have many dreams My dreams are I would like to fly I would like to dance dance....dance....dance... I would like to play I would like to sing Sing...sing....sing.... Let's dream dream dream I would like to ride a horse And I would like to ride a camel ride....ride.....ride..... Let's dream....dream.... dream..... Let's dream.... Let's love dream I like to dream..... like to love dream... My heart full of dream I would like to buy a frock I would like to buy a car Buy.....buy.....buy.... Let's love the dream Let's dream.... Let's dream colourful dream dreams are life and our life is dream Let's dream our life... My dream.. My dream... I have many dreams.... So I have life... With full of colourfull dreams



Akhila Aji IV B



There are many stars
There are many planets
There are many satelites that
Artifical and Natural....
There are many orbits that
We can't know...
There are many wonder things is space that
We can't know...
I would like to know about
Space more....

Shirya. K.S

Birds can fly With there wings... Birds have beaks to catch their food... They can sing Beautiful songs... Birds are ... So so pretty.... Birds can fly With their wings.... I like birds very much .. There are many types of birds in the world The birds have it's own beak, beautiful wings Birds can fly With their wings





Nandana Sunil, IV A

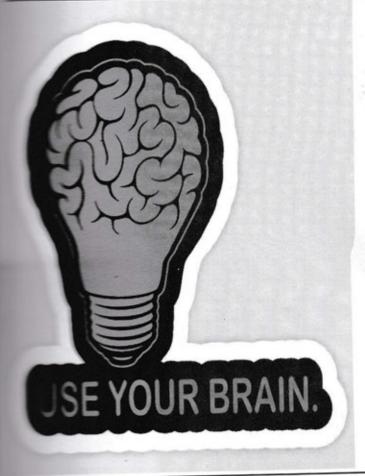


്രായും ആകാശം ആകാശം പ്രായ്ക്കും ആകാശം പ്രായ്യായും പ്രത്യേക്കും ആകാശം പ്രായ്യായും പ്രത്യേക്കും ആകാശം പ്രായ്യായും പ്രവയ്യായും പ്

ആകാശം



ശ്രീരാഗ് സജീവ് IV-B



9098	=	826
2076	=	615
3071	=	111
1234	=	410
4569	=	924
7823	=	320
111	=	13
222	=	26
1478	=	820
2589	=	924
3698	=	826
2347	=	?



Abhinav. P.B,

ART & CRAFT

How to make a man and woman with gloves

Materials required

- Gloves
- Marker Pen (Black)
- Scissor
- · Yarn/Thread
- Wooden stick

Method:

Take a gloves and cut it into the shape of fingers. Tie a knot using thread to make a head shape, Then mark eyes, nose with marker pen. Now it is ready and finally insert the wooden stick under the open part of the gloves.

Shreya Harikumar







THE BEAUTIFUL SKY....

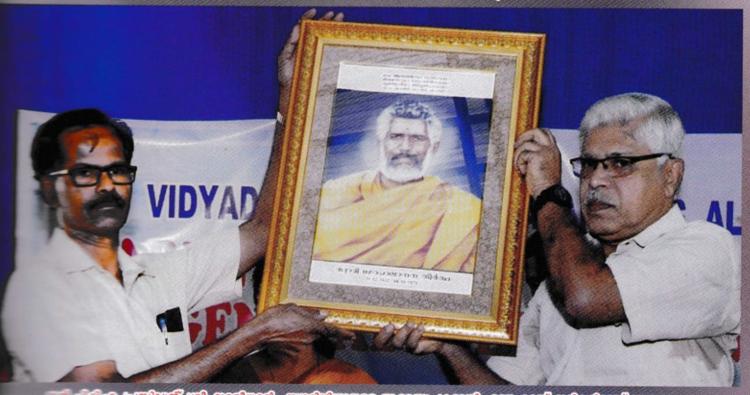
I like the sky
because it's colour
is light blue.
The little stars
are shining in the sky
The beautiful sun
smiles in the sky.
The white moon is
Saying goodnight for
me at all nights
And I would
like to know
the sky a lot.



Nazmin Noushad IV C

PTA GENERAL BODY MEETING

& Merit day



്ട് ഫ്ട് എ പ്രസിഡന്റ് ശ്രീ. മുരളിധരൻ സ്താമിജിയാടുള്ള ആദരസ്വചകമായി എല്ലാ ക്ലാസ്സ് മുറികളിലേയ്ക്കുമുള്ള സ്താമിജിയുടെ ഛായാചിത്രം സമർപിക്കുന്നു









ISTRICT KALOLSAVAM WINNERS

PROFICIENCY WINNERS

The harder the conflict, the more glorious the triumph



RASHTRAPATHY AWARD WINNERS



U.P. SKT. KALOLSAVAM WINNERS



RAJYA PURASKAR WINNERS



PLUS-TWO FULL A+ WINNERS



STATE KALOLSAVAM WINNERS HSS



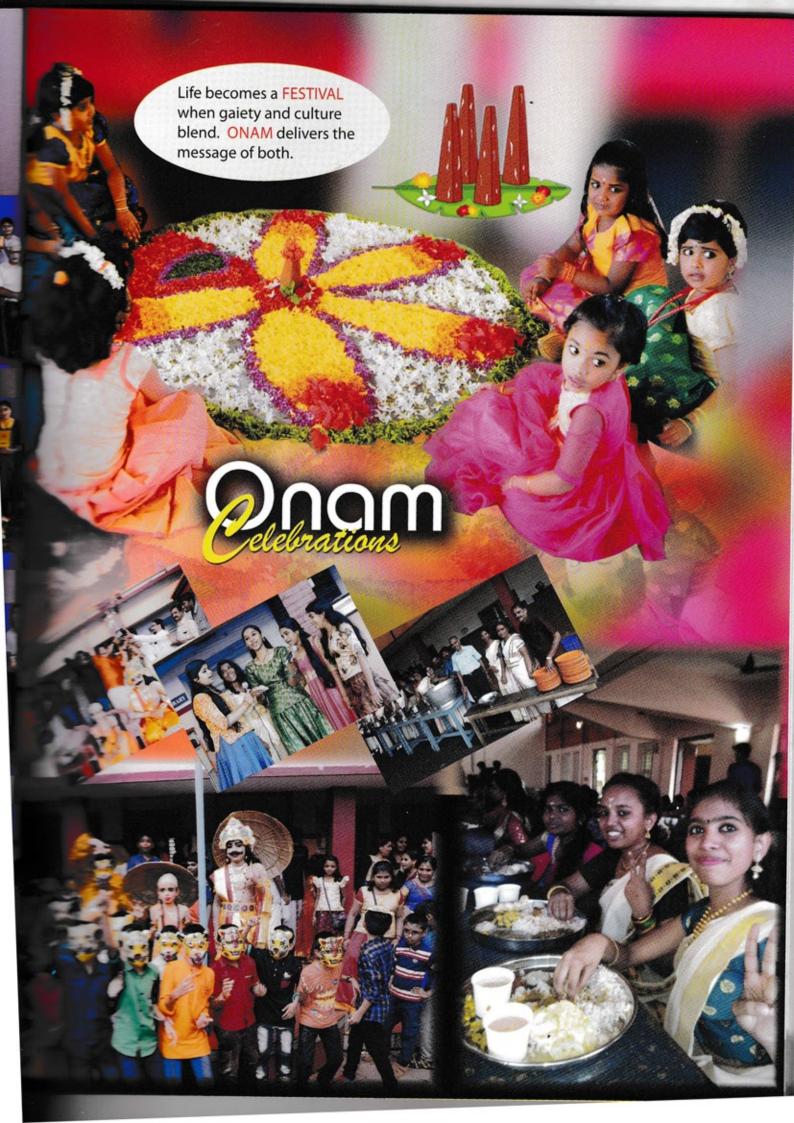
PLUS-TWO FULL AC WINNERS

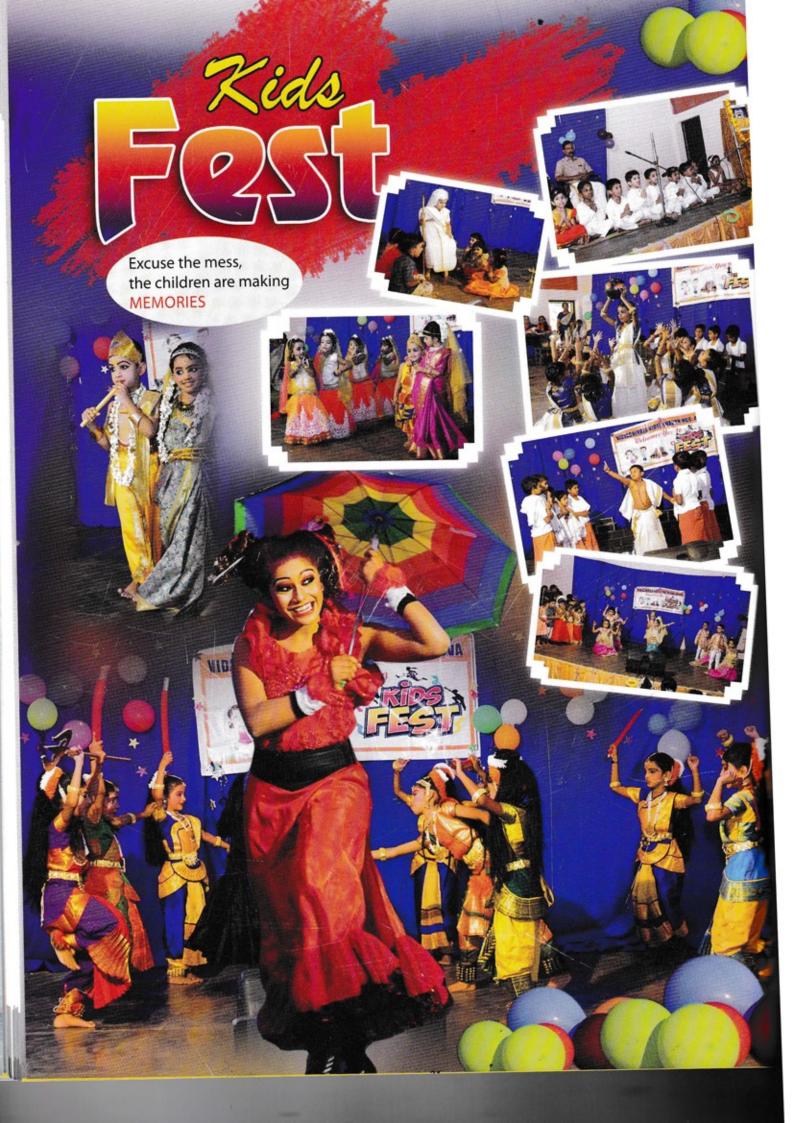


10th FULL A+ WINNERS



RED CROSS

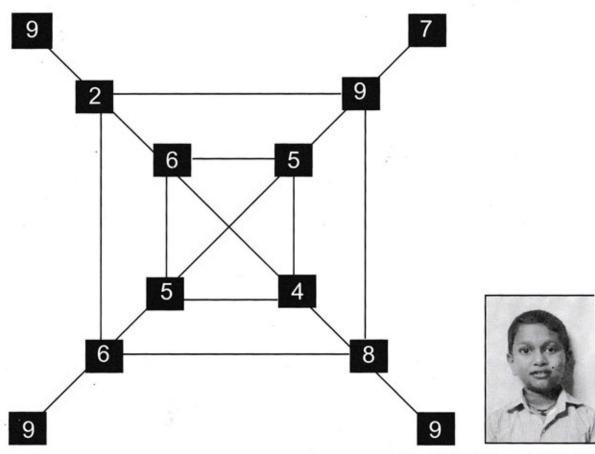




LITTLE EARTH Oh! My little earth How beautiful you are! You give us space to live You give us air and water Oh! my little earth You give us food to eat You give us plants to breath You give us rock to make house Oh! my little earth When I have to play football Your soil help a lot You are very strong too You are the one in the solar system That give us air to breath Oh! my little earth I love you very very much You have so many countries We can see stars in you You are so beautiful Who did make you so beautiful? How old are you? But people are killing you How will you live now? I will not hurt you. Iwill save you I love you very much because You are my best friend You gave me food to eat And air to breath How will I thank you my little earth Sreeram V.A IV C

HIGHEST TOTAL

start anywhere and collect five numbers by following the paths without jumbing or going back or a path twice to find out the highest total of 37



Aswin Krishna. M.N., IV

REVERSE AND MULTIPLY



Anusree. M.A IV C

STAR PATTERNS!

EACH ROW FOLLOWS THE SAME RULE. FILL IN THE BLANKS

6 8 11 13 16 18

18 20 23 25 28 30

 34
 36
 39
 41
 44
 46

 76
 78
 81
 83
 86
 88

38 40 43 45 48 50

34 36 39 41 44 46

in the numbers 1 to 9 that every row. Column and diagonal adds up to 15. You see each number only once!

8 1 63 5 74 9 2

8 3 41 5 96 7 2



Nakul IV C

1







I want a friend who gives me joys and charms should be at my side Whenever I am sad. I want a music loving friend To have a rhythmic friendship Should be my strength When I am in trouble. I want a friend to be loved So that love fills my heart. I should have an advisor When I am in dilemma When I am in search of truth. As I know life is momentary Good friends never says "Good Bye" They simply say "See you soon" Friends are the sunlight of life. "Friends are the most important Ingredient in this recipe of life."



Shradha Sinoj, VA

എന്റെ ബാല്യം

എത്ര സുന്ദരമാണെന്റെ ബാല്യം വിരഹങ്ങളില്ലാത്ത നല്ല ബാല്യം അച്ഛന്റെ കൂടെ നടന്ന ബാല്യം അമ്മയോടൊപ്പം നടന്ന ബാല്യം.

> ചേട്ടനെന്നെ എടുത്തുനടന്ന ബാല്യം അമ്മൂമ്മയോടൊപ്പം നിന്ന കാലം അപ്പുപ്പനെന്നെ എടുത്ത ബാല്യം എത്ര സുന്ദരമാണെന്റെ ബാല്യം.

പൂക്കളോടൊപ്പം കളിച്ച ബാല്യം തുമ്പിയെപ്പിടിച്ചു നടന്ന കാലം അമ്മയോടൊപ്പം കളിച്ച ബാല്യം നൊമ്പരമില്ലാത്ത എന്റെ ബാല്യം.

> മഴയിൽ കളിച്ചുനടന്ന ബാല്യം വെയിലത്തൊറ്റയ്ക്കു കളിച്ച കാലം ഇന്നെനിക്കെല്ലാം നഷ്ടമായി ബാല്യവും കളികളും നഷ്ടമായി.



അഭാജ്യസംഖ്യാകേളി

0									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100



ഗ്രിഡിൽ ഇഷ്ടമുള്ള സംഖ്യയിൽ ഒരു ടോക്കൺ വയ്ക്കണം. 2 സൈഡ് എറിയുന്നു. ലഭിക്കുന്ന സംഖ്യ അഭാജ്യമായാൽ കുറയ്ക്കാം. അല്ലെങ്കിൽ സ്വന്തം സംഖ്യ ഇരട്ടിക്കുക. 9 ൽ കൂടുതലായാൽ പുറത്തുപോകും ആദ്യം പൂജ്യത്തിലെത്തുന്ന ആൾ വിജയിക്കും

പാർവതി ഉണ്ണിക്കൃഷ്ണൻ, VI 🛭



THE DREAM

I have a dream to fly
But I am paralysed
I have a dream to swim
But Iam paralysed

In my dream, I am at the top of the sky with small birds
I am flying with
In my dream, I am at the

bottom of a sea
With small fishes
I am swimming with

I have many dreams But I never fulfill it.
But in my dream I am successful
Let my dreams be my action
This my only dream now.

Anjana B, V B

പുമ്പാറ്റ

ഹായ് പുമ്പാറ്റേ ചാരു ചന്തം പുമ്പാറ്റേ ചാരുടുപ്പിൻ ചന്തം കാണാൻ കർ ഞങ്ങൾക്കെന്തു രസ്ം.

യ്തോറും തേൻ നുകരും യടിന്റെ ചങ്ങാതീ യടയോമൽ ചിറകടിയും ചർ ഞങ്ങൾക്കാഘോഷം. പൂന്തേനുണ്ട് വയറുനിറഞ്ഞാൽ നിന്നുടെ മൂളിപ്പാട്ടുണ്ട് മൂളിപ്പാട്ടിന്നീണം കേട്ട് പൂവുകളൊക്കെ തലയാട്ടും.

നിന്നെ ഞങ്ങൾക്കെന്തിഷ്ടം ഞങ്ങടെയോമൽ ചങ്ങാതീ എന്നുടെ കൂടെ പോരുന്നോ കൂട്ടരുമൊത്തുകളിച്ചീടാം.

നിന്നുടെ നൃത്തം കാണുമ്പോൾ ഞങ്ങടെ മനവും തുള്ളുന്നു ആനന്ദത്തിൻ കൊടുമുടിയിൽ നീയും ഞാനും ഒന്നാകും.



ബാലാ എച്ച്. V C



तुलसी

घर के बीच लगाई तुलसी है सबको सुखदाई तुलसी सब इसकी है पूजते इसके पत्ते मूँह में धरते। वृंदावन की बाला तुलसी भक्तों की है माला तुलसी बढ़ जाती है डाली डाली तब लगती फूलों की बाली। सबके ज्वर को हरती तुलसी बहुत बडा गुण करती तुलसी ठाकुरजी के प्यारी तुलसी सबसे पूज्य हमारी तुलसी।



Thahseen Faisal, V C



नवम्बर मासस्य २९ तमे दिनाङ्के नवम्बर मासस्य २९ तमे दिनाङ्के सा २५५८ तमे वर्षे जून मासस्य २७ दिवड.ता। लक्ष्मिबाई वारणस्याम् सा झान्सी की राणी इति नाम्ना अगात। भारतस्य प्रथमे स्वातन्त्र्यसङ्ग्रामे जनुबं योगदानम् आसीत्। सा आङ्ल प्रतीकः आसीत्। लक्षमीबाई उत्तर प्रतीकः आसीत्। लक्षमीबाई उत्तर विरुद्धा भारतस्य स्वातन्त्र्यसङ्ग्रामम्

राणी लक्ष्मीबाई

आरब्धवती। माहाराज्ञी लक्ष्मीः इत्यस्याः वीरांगनायाः जन्म महाराष्ट्रे राज्ये कृष्णानद्यास्तटे एकस्मिन् ग्रामे पञ्चित्रांशदिधकं अष्टादशशततमे वर्षे (२८३५) समभूत। शैशवे अस्याः नाम मनुबाई इति असीत्। अस्याः जनकः मोरोपन्तः तदानीं पेशवा बाजीरावस्य सेवायामासीत्। अस्याः जननी भागीरथी भाई, साध्वी ईशभक्ता नारी आसीत्। उभाविप तां प्रियां सुतां मनुदेवें स्नेहेन अपालायताम्। तदा बाजीरावः कानपूर नगरस्य समीपस्ये बिदूरनामके स्थाने न्यावसत् मनुदेव्या शिक्षणं तत्र अभवत्। तत्र सा उचिर शास्त्रविद्यां च अलभत। सा तत्र नैपुण्यम् अवाप्रोत। अश्वारोहणा/पि मनुबाई अतीव कुशिलनी अभवत्।



Lakshmi Suni, VI A



प्रहेलिका



```
वृन्तविहीनं वर्तुलपत्रम् /
उत्तरः - पर्पडकं/
ऋषभश्शोते रज्जुर्धावति /
उत्तरः - कूश्माण्डम् /
पुत्रा - सर्वे टोपीवन्तः /
उत्तरः - नालिकेरं /पूगः
एकपादो विपणिं गतवान्/
उत्तरः - छत्रं /
एककूप्यां तैलद्वयम् ?
उत्तरः - उन्डम /
बकंः तिष्वति वापि शुष्यति।
उत्तरः - दीपः /
घावति तुरगः कूर्दतै तैलम् दृष्ठ्वा स्थगति च तुरगः /
उत्तरः - चर्मनिर्मितपादुकः /
अड्.कणमञ्जुषा निरावरणा/
उत्तरः - कूपः /
माता स्पृष्टान् पुत्रान् सदा हन्ति/
उत्तरः - अग्निपेठिका ।
अद्याने तिष्डन्ति सुन्दरीम् पथ्य स्पर्शनमात्रै स्वापमुवैति/
उत्तरः - लज्जालुः /
भूधर शिखरे भाति किल सुकणधारी मत्तगजः/
उत्तरः - कर्णिकारः/
सहस्रपुत्राणां नूपुरमेकम् /
उत्तरः - मर्जनि।
```



Ardra Deepak, VI A

कृपावान् पुरुषों विद्वान्।

उज्जयिनी भूवनविश्रुता काचान नगरी चित्रातत्रत्यस्य राज्ञः पुण्यसेनस्य मन्त्रि आसीत् चित्रामीति कश्चन विप्रः। तस्य देवस्वामी नाम सोमप्रभा नाम पुत्री च आस्ताम्।

शैशवातिक्रान्ता सोमप्रभा एकदा मातुर्मुखेन चर भ्रातरञ्च जगदन्यवेदयत्। शुराय ज्ञानिने च्यानिने वा अहं देया अन्यथाहं न जीवामि च्यातदाकर्ण्य तस्याः पिता हरिस्वामी वरविषये च्याङुलो अभवत्।

एकदा हरिस्वामी दूतकार्यार्थं दाक्षिणात्यस्य सकाशं राज्ञा प्रेषितः। तत्र च कन्यावृतान्तं कश्चित् ब्राह्मणयुवा कृतकार्यं तं विप्रं समेत्य अयाचत।

सः युवा विज्ञानी इत्यवगत्य "सप्तमे दिने च्यार्थम् आगच्छ" इति हरिस्वामीं अवदत्। च्यार्थेव दिने उज्जयिन्यां सोदरः माता च एकैकं च्यार्कुमारं मिलित्वा शूरं ज्ञानिनं च संबुद्ध्य च्यार्केन विवाहं निश्चिकाय।

हरिस्वामी प्रत्यागत्य यथाकृतं सर्वं पुत्रं च अकथयत्। तौ च स्वं स्वं कृतं च सर्वं पृथक् तस्मै न्यवेदयताम्। एतच्छुत्वा च मी त्रयाणां यूनां निमन्त्रणे नितरां व्याकुलः

अय सप्तमे दिने आगते त्रयोडिप कन्यार्थिनः आययुः। तदानीं सोमप्रभामदृष्ट्वा सर्वे वित्तः जाताः। तज्ञाात्वा ज्ञानी अवदत् विद्याराव्यः राक्षसः तामपह्त्य विन्धत्याटव्यां क्मितिं अगच्छत् इति। तच्छुत्वा हरिस्वामी विज्ञानिनम् उपायं पप्रच्छ। स तु सर्वास्त्रसंयुतं कृत्वा हरिस्वामिनं ज्ञानिशूरौ च तत्क्षणं

विध्याटवीं प्रापयामास। तत्र ज्ञानिना समास्त्यातां राक्षसस्य वसितं प्राप्य शूरः राक्षसं योधयामास। तदा तरोः मनुष्यराक्षसयोः रामरावणयोरिव महायुध्दमवर्तत। अन्ते शूरः राक्षसस्य शिरः बाणेन अच्छिनत्। पुनः सोमप्रभामादाय ते सर्वे रथेन उज्जयिनीं प्रत्यागता।

अथ हरिस्वामिनः गृहं प्रत्यागतानां तेषां त्रयाणां मध्ये महान् विवादः जातः। ज्ञानी अवदत् यदि अहं ज्ञानबलेन एतत् सर्वं न जानीयां तर्हीं कथिमयं गूढस्या प्राप्येत? अतः मध्यमेव एषा देया इति। विज्ञानी अवोचत्। यद्यहं व्योमरथं न कुर्यां तहीं देवानामिव तत्र गतागतं कथं तत्क्षणं स्यात्? तस्मात् मह्मम् इयं दातव्या इति। यद्यहं तं राक्षसं रणे न हन्यां, तदा युवाभ्यां यत्ने कृतेडिप क एनामानयेत्? तन्महमेव कन्येयं दातव्या इति शूरश्चाब्रवीत्। तेषु मध्यां विवदमानेषु सत्सु हरिस्वामी भ्रान्तचितः भूत्वा तूष्णीमतिष्ठत्।

कथामिमामाख्याय वेतालः राजानं पप्रच्छ्व राजन्! एतेषु कस्मै सा देयेति भवान् वदतु इति। तच्छूत्वा राजा अब्रवीत् सा शूंराय तस्मै प्रदातव्या येन देहपणोद्यमात् बाहुबलेन तं राक्षसं जित्वा कन्या समुपार्जिता। ज्ञानिविज्ञानिनौ तु विधिना अस्य सहायौ नियोजितौ इति नृपवचनमिदं श्रुत्वा वेतालो तुतोष।



Redhera P.B, VI A



സൂര്വനും ചന്ദ്രനും നേരം വെളുത്തുവന്നല്ലോ
സ്വർണ്ണവെട്ടം വന്നല്ലോ
മാനത്ത് സൂര്യൻ വന്നല്ലോ
സൂര്യവെട്ടം പരന്നല്ലോ
ചുവന്ന വട്ടംപോൽ വന്ന്
സ്വർണ്ണവെട്ടം ആയല്ലോ
മേഘങ്ങൾ പതുക്കെ പോവുകയായ്
സൂര്യനും മെല്ലെ നീങ്ങുകയായ്
കിഴക്കുദിച്ച സൂര്യൻ മെല്ലെ
പടിഞ്ഞാറ് അസ്തമിച്ചല്ലോ
സൂര്യൻ അസ്തമിച്ചപ്പോൾ
ഇരുട്ടു തിങ്ങിയ രാത്രിയുമായ്
അപ്പോൾ മെല്ലെ വെട്ടവുമായ്
ചന്ദ്രൻ ഉദിച്ചുവന്നല്ലോ.



സൂര്യലക്ഷ്മി ഐ.എസ്., V-A

MY FAMILY



My father is the moon
The satellite of my house
My mother is a star
The shining star of my house
My sister is my best
Friend in my family
My Grandpa is the sun
The big star of my house
My grandma is my earth
Who care me very much
My family help me if
I'm in a trouble and
I like my family very much

Saraswathy Babu, VII A



MY GRANDMOTHER'S LOVE

She is the first to hold the light when the sun rises

She is the first to wipe my face when I cry

She taught me to smile in every situation

She is the first who helped me to be

And that's my Grandma

She runs behind me even though

She can't walk

she sings for me

eventhough she can't talk

She is the one who knows my wish

She is the one who makes every dish

Her love for me is much wider than this universe

And my love for her is much wider than this universe

This is for her who loved me like my mother

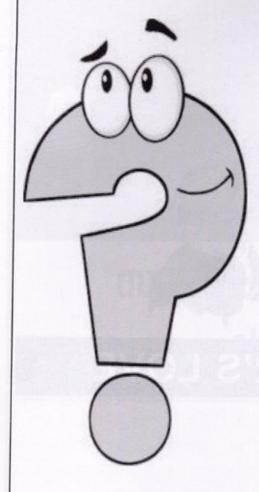
This is for her who believes me like my friend

This is for her who cares me just like god

This is for her who makes me and That's my Grandma.



Neha Hashim, VIIA



पहेलियाँ

एक थाल मोती से भरा सबेके सिर पर औंधा धरा। जैसे-जैसे थाल फिरे मोती उससे एक न गिरि।।

उत्तरः आकाश

धूप लगे पैदा होवे छाँव देख मुरझावे। अरे यार, मैं तुमसे पूँछ हवा लगे मरजावे।।

उत्तरः पसीना

काली है पर काग नहीं लंबी है पर नाग नहीं । बल खाती डोर नहीं बांधी जाती पर देर नहीं ।।

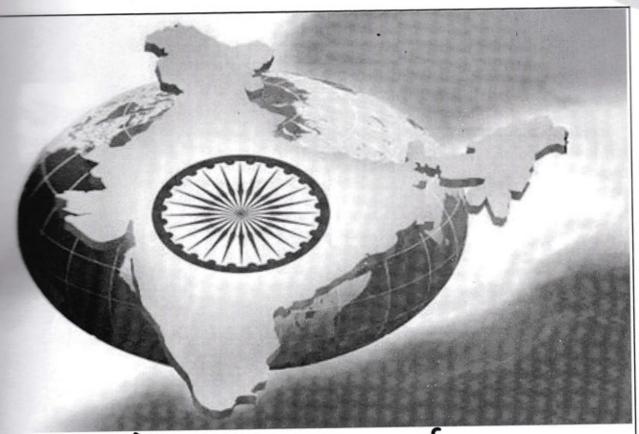
उत्तरः चोटी ।

छोटा तन, ऊँचा-सा मन नहीं जानती कोई बंधन क्षण में नीचे, क्षण में ऊपर कभी भू पर, कभी डाल पर ।।

उत्तरः गिलहरी ।



Adithya R, VII A



मेरा प्यारा भारतवर्ष

मेरा प्यारा भारतवर्ष सबसे न्यारा भारतवर्ष ऋषि-मुनियों का भारतवर्ष इसे देख मुझे होता हर्ष।।

गंगा-यमुना बह - बहकर प्यास बुझाती जाती निरंतर। हिरयाली का चादर ओढ़े सुख-वैभव देती है सुखकर।।

उत्तर में हैं खड़ा हिमालय दक्षिण में हैं लाखों मंदिर। पततल में हैं विशाल सागर रहते इसके सब जन मिलकर।। मेरा प्यारा भारतवर्ष सबसे न्यारा भारतवर्ष। ऋषि-मुनियों का भारतवर्ष इसे देख मुझे होता हर्ष।।

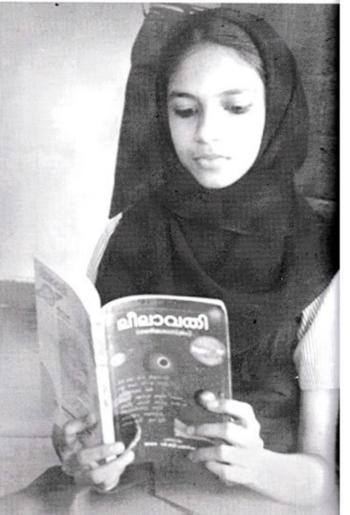
Adithya R, VII-A

ലീലാവതി

ഭാസ്കര്യാചാര്യന്റെ പുകഴ്പെറ്റഗണിതശാസ്ത്രഗ്ര ന്ഥമാണ് ലീലാവതി. നിങ്ങൾ അതേക്കുറിച്ചു കേട്ടി ട്ടില്ലേ? അംഗഗണിത പ്രമേയങ്ങളും അവയെ ഉദാഹരി ക്കുന്ന പ്രശ്നങ്ങളുമാണ് ലീലാവതിയിൽ മുഖ്യമായു ള്ളത്. കവികൂടിയായ ആചാര്യൻ പദത്തിലാണ് ഗണി തശാസ്ത്രം കൈകാര്യം ചെയ്യുന്ത്. ഒരു കാലത്ത് ഭാര തീയ വിദ്യാർത്ഥികൾ മുഴുവൻ ആചാര്യന്റെ കാവ്യഗം ഗയിൽ മുഴുകി ഗണിതശാസ്ത്രം അഭ്യസിച്ചിരുന്നു. അന്ന് അവരുടെ മനോമയകോശങ്ങൾ ചെറിയ ചെറിയ പദ്യ ങ്ങളിലൂടെയാണ് ഗണിതം ഉൾക്കൊണ്ടിരുന്നത്. സുഖ കരമായ ഒരനുഭൂതിയായിരുന്നിരിക്ണം അക്കാലത്ത് കണക്കു പഠിക്കൽ, അല്ലേ! കവിത പോലെ സരസമായി കണക്ക പഠികക്കാം., പഠിച്ചതു മറക്കുകയുമില്ല.

അംഗഗണിതം പ്രതിപാദിക്കുന്ന ഗ്രന്ഥഭാഗത്തിനു ലീലാവതി എന്ന പേര് എങ്ങനെ വന്നു? ഇതിനെപ്പറ്റി ഒരു തലമുറകളായി പറഞ്ഞുവരുന്നു. ഭാസ്കരാചാര്യ യുടെ മകളായിരുന്ന ലീലാവതി. ജാതകത്തൽ നിന്ന് മകൾ വിധവയാകുന്നെന്ന ജ്യോതിഷിയായ ആചാര്യൻ മനസ്സിലാക്കി. എന്നാൽ മകളുടെ വിവാഹം ഒരു പ്രത്യേക ദിവസത്തിലുള്ള നിർദ്ദിഷ്ടമുഹൂർത്തത്തിൽ നടത്തിയാൽ ജാതകദോഷം മാറിക്കിട്ടുമെന്ന് ആചാര്യൻ ഗണനക്രിയ മൂലം കണ്ടുപിടിക്കുന്നു. ഈ സമയത്തു തന്നെ വിവഹം നടത്താനുള്ള എല്ലാ ഒരുക്കങ്ങളും അദ്ദേഹം ചെയ്തു തീർത്തു. സമയം കണ്ടുപിടിക്കാൻ ഇന്നത്തെപ്പോലെ വാച്ചോ, ക്ളോക്കോ ഒന്നും തന്നെ അക്കാലത്തുണ്ടാ യിരുന്നില്ല. മണൽ കുപ്പി ഉപയോഗിച്ചായിരുന്നു സമയം നിശ്ചയിച്ചിരുന്നത്. മണൽകുപ്പിയിൽ മുകൾഭാഗത്ത് ഘടിപ്പിച്ചിട്ടുള്ള ഒരു പാത്രത്തിൽ നിന്നോ മണൽ ചെറി യൊരു ദ്വാരം വഴി ചോർന്നു. താഴെയുള്ള പാത്രത്തൽ വീഴുന്നു. ഒരു നിശ്ചിത ഇടവേളയിൽ ചോർന്നു വീഴുന്ന മണലിന്റെ അളവനുസരിച്ചാണ് സമയം കണ്ടുപിടിച്ചി രുന്നത്.

വിവാഹത്തിനു തലേ ദിവസം വീട്ടിൽ കൊണ്ടുവന്ന മണൽക്കുപ്പിയിൽ മണൽത്തരികൾ ചോർന്നിറങ്ങുന്നത് ലീലാവതി കൗതുകത്തോടെ നോക്കുകയായിരുന്നു. ഈ സമയത്ത് അവളുടെ മൂക്കൂത്തിയിലെ ഒരു മുത്ത് മണൽകുപ്പിയിലെ മണലിൽ വീഴാനിടയാകുന്നു. പാവം കുട്ടി, ഇതൊന്നും അറിയുന്നില്ല. വിവാഹപൂർവ്വദിവ



സത്തെ അസ്വസ്ഥതയായിരുന്നു അവളുടെ മനസ്സി മണൽക്കുപ്പിയിൽ വീണ മുത്ത് സ്വാഭാവികമാ: മണൽത്തരികളുടെ വേഗതയെ മന്ദീഭവിപ്പിച്ചു. അങ്ങ മണൽക്കുപ്പിയിലൂടെ പ്രവർത്തനം തകരാറിലാ വിവാഹം നേരത്തേ ജ്യോതിഷവിധി പ്രകാരം നിച യിച്ച മുഹൂർത്തത്തിൽ നടന്നില്ല. വിവാഹം കഴിഞ്ഞ അല്പനാളുകൾക്കുള്ളിൽ തന്നെ ലീലാവതി വിധ യാകുന്നു. മകളുടെ തീരാദു:ഖത്തിൽ തളർന്ന ആച രുന് ഒന്നേ ചെയ്യാനുണ്ടായിരുന്നുള്ളൂ. മകൾ ചെറ മാണ്. ഘനീഭുതമായ ഈ ദു:ഖത്തിൽ നിഷ്ക്രിയമാ: ഇരുന്നിട്ട് ഒന്നും നേടാനില്ല. അദ്ദേഹം മകളെ അംഗ ണിതത്തിന്റെ പ്രാരംഭപാഠങ്ങൾ പഠിപ്പിച്ചു. സ്വന്തം 🖆 ളുടെ പേരുകൊണ്ട് അംഗഗണിതം പ്രതിപാദിക്കു ഗ്രന്ഥത്തിന്റെ ഒന്നാം ഭാഗത്തിനു നാമകരണം ചെയ്ത 'ലീലാവതി വായിക്കുന്ന ഏതൊരു വിദ്യാർത്ഥിയും 愛 കഥ അറിഞ്ഞിരിക്കണം. ഖിന്നയായ മകളെ അല്-കണക്കിലൂടെ സമാശ്വസിപ്പിക്കുന്ന പിതാവി വാങ്മയം നമുക്കു കാണാം.

നേഹാ ഹാഷിം, VII-

KNOW ABOUT INDIA

The largest State Rajasthan

The smallest State Goa

The largest Union Territory Lakshadweep

The state having two capitals Jammu & Kashmir

The city which constitute the

capital of two union territory Chandigarh

The first State which was formed

on the basis of language Andhra Pradesh

The state formed last in India Telengana

The State which gained complete

Literacy Kerala



Rakhi S. Nair, VA.

KNOW ABOUT KERALA

District with the greatest literacy Pathanamthitta

District with the least literacy Palakkad

Number of districts 14

The smallest district

The southern most district

The Northern most district

District with approximately

equal ration of women and men

The only district with less

women than man

District with the highest population -

District with the lowest population -

District in the least annual

population growth

Alappuzha

Thiruvananthapuram

Kasargod

Wayanad

Idukki

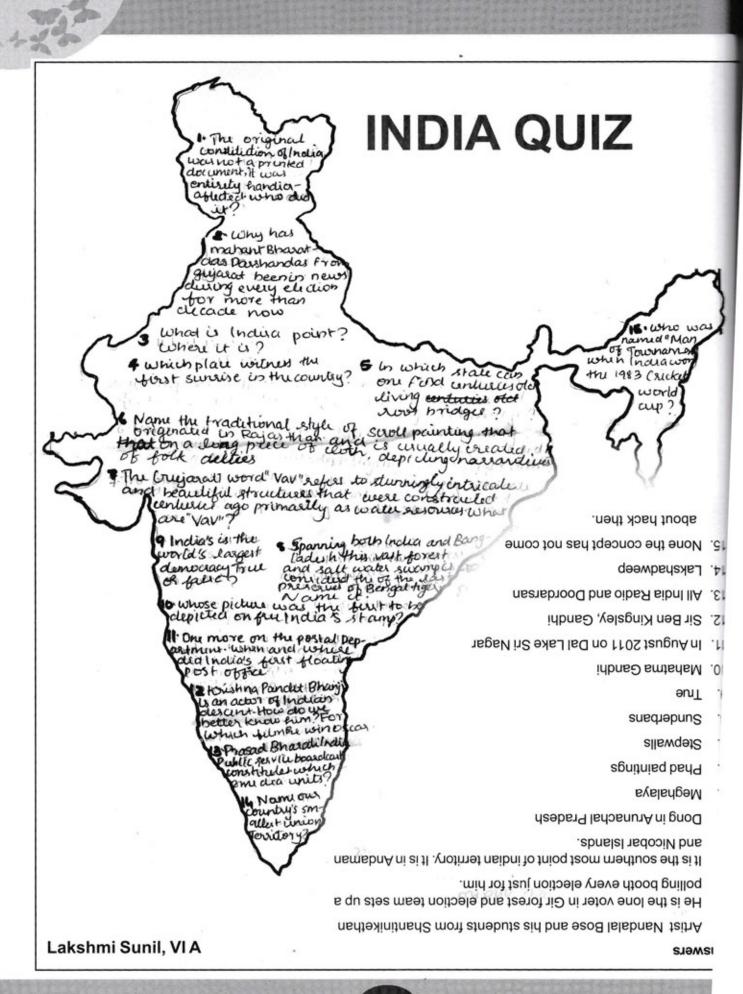
Malappuram

Wayanad

Pathanamthitta



Rekha S. Nair, VA.



അക്ക സമ്പ്രദായങ്ങൾ വ്യത്യസ്തഭാഷകളിൽ

ഭാഷ	3	4	5	6	17	8	9
മലയാളം	m	გ	B	m	9	બ	no
തമിഴ്	13	8	(3)	Вп	101	3	90
കർണാടകം	2	8	H	En	8	U	5
തെലുങ്	3	γ	X	6	2	U	E
മറാത്തി	3	8	4	٤	6	E	e
ഗുജറാത്തി	3	8	Ч	3	9	6	E
ഒറിയ	97	y	He	2	9	I	5
ബഗാളി	৩	8	G	0	7	D-	- 00
സംസ്കൃതം	3	8	4	ج	6	6	9
ഹിന്ദി	_				 	-	A
കാശ്മീരി	3	I	4	3	10	3	6
മൈഥിലി	3	8	8	J	1,	8	~
കൈതി	3	8	14	Σ	10	1	E
ഗുരുമുഖീ	3 1	g	4	3	19	2	
ശാരദ	w	I	4	2	17)	6
താകരി	තු	8	12	V	9	5	6
ബർമീസ	2	ξ	9	3)	9	0	£
സയാമി	m	6	8	5	n	W	7
ടിബറ്റൻ	3	V	n	S	U_	<	P
അറബി	ju	1	0	4	\vee	Λ	9

അക്ഷിത പ്രഭു, V- B



അക്കങ്ങളുടെ മാജിക്



Akshay Raj VA

5+1+2	=	8 8 ³	=	572
4+9+1+3	=	17 17	3 =	4913
5+8+3+2	=	18 18	3 =	5832
1+7+5+7+6	=	26 26 ³	3 =	17576
1+9+6+8+3	=	27 273	=	19683
9+9 =	18	9x9	=	81
24+3	24x3	=	72	
47+2	47x2	=	94	
497+2=	499	497x2	=	994
20+25=	45	45 ²	=	2025
30+25=	55	55 ²	=	3025
88+209 =	297	297 ²	=	88209
494+209=	703	703 ²	=	494209

HIGH SCHOOL

कण्टकेनैव कण्टकम्

एकदा कश्चन धनिकः विणग् आसित्। कालविपर्ययात् तस्य वाणिज्ये महित हानिः समजायत। अयोमयतुलायाः ऋते अन्यत् सर्वमिप तेन विक्रीतम्। सः तुलाम् आदाय स्वसुहृदम उपेत्य अवदत् - सखे धनदास! यावदहं प्रत्यागिमध्यािम तावत् तुलाम् एतां परिपालय इति।

ततः जीर्णधनः नगराद् बहिः आगच्छत्। बहवः संवत्सराः अतीताः। अथैकदा जीर्णधनः प्रत्यागत्य वणिजं सखायम् उपेत्य स्वकीयां तुलां प्रार्थयत। धनदासः एवं प्रत्यवदत्- सुहृद! किं ब्रवीमि ! भवतः तुला मूषिकै: खादिताः इति। तच्छुत्वा जीर्णधनः तुष्णीं स्थिताः। मुहुर्तं विचिन्त्य सः अवदत् - मित्र ! तत् तथास्तु । अधुनाहं नद्यां स्नात्वा धर्मानुष्टानादिकं निर्वेदुम् इच्छामि। कृपया भवता स्नानोपकरणैः समं सुतः प्रेष्यताम् । सः धनदासस्य पुत्रेण साकम् आगच्छत्। मध्येमार्गं कापि दरी आसीत्। बालकं तस्यां गुहायां पिधाय सः प्रत्यागत्य धनदासम् अवदत् - भोः सुहृदः ! तव पुत्रं को/पि मार्जारः अभक्षयत् । तच्छुत्वा धनदासः राज्ञः समीपं गत्वा जीर्णधनः मां वञ्चातवान् इति न्यवेदमत्। धनदासस्य वाचं निशम्य राजा क्रुध्दः अभवत्। सः जीर्णधनम् अवदत्। त्वम् अनृतम् वदसी। मार्जारः बालकं खादितुं किं वा समर्थः इति। जीर्णधनः प्रत्यवदत - भो महाराजा यस्मिन्

राज्ये मूषिकाः तुलां भक्षयन्ति तस्मिन् राज्ये नूनं माजां बालं भक्षयेत् इति। ततः जीर्णधनः धनदासस्य कापट् सर्वं राज्ञे न्यवेदयत्। जीर्णधनस्य कौशलं विज्ञाय सन्तु राजा तस्मै तुलं निर्यातयितुं धनदासम् आदिदेश असत्यवादिनं धनदासम् अदण्डयच्च।

विश्वासघाती तु सदा निकृष्टः परस्य सम्पत्सु निबध्ददृष्टिः। तुलाति मोहेन धनस्य दासो प्रियवञ्चयत्तं सहृदं स्वकीयम्।।

अन्वयः

परस्य सम्पत्सु निबध्ददृष्टिः विश्वासघाती सदा निकृष्टः।

तुलाविमोहेन धनस्यदासः तं स्वकीयम् सुहृदम् अवञ्चयत्।



Fathima P.E, IX



Ujjwal Sports Champton-LKG.





Gouri B. Nair, Advait R. Nair Cultural Champions - U.K.G.



Nandakishore H., A.S. Aradhya, Advait R. Nair Academic Proficiency - U.K.G.



adithya S. Nair, Advaith Varrier, Thanmaya Menon Academic Profidency-L.K.G.



Advaith Varrier, Avani Leneesh Cultural Champions-L.K.G.



Muhammed Minal, Ameya Saji Sports Champion - U.K.G.



Nandakishore H Geetha Chanting Competitions Winners



Vaishnav V. YMCA Independence day



P.C.M. Scholarship Winners - U.K.G.



P.C.M. Scholarship Winners - L.K.G.

NOVEMBER 1



ECO CLUB



STUDENTS ORIENTATION CLAS

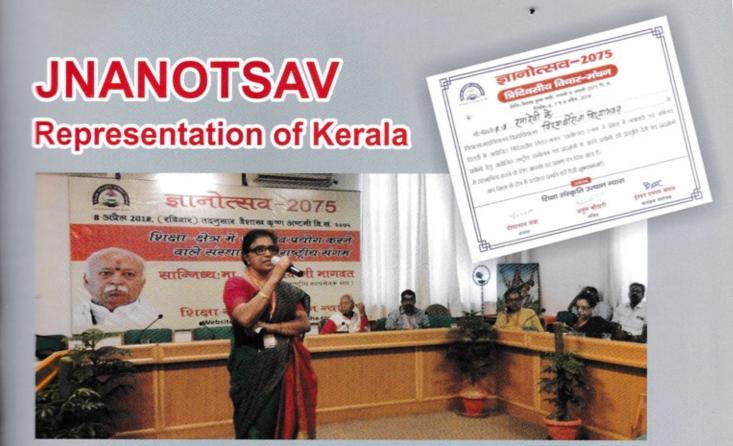


INTERNATIONAL YOGA DAY



Rokyho Bandhan





Trust chairman Adv. M. K. Padmanabhan, Trustee S. Sunilkumar, Headmistress Smt. K. Rema Devi participated in 'Jnanotsav 2075' at New Delhi. Headmistress Presenting a document in the event.







- Very high speed (MOPS - Millions of operations per second)

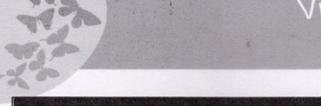
- Extremely large storage
- Very large/fast CPU
- Needs proper environment
- Wainframe High speed 1/0 Terminal (MIPS Millions of instructions per second)
 - Large storage device
 - Large/fast CPU
 - Centralized Control
 - Needs conditions like proper environment, temperature and dust free atmosphere
 - Supports remote satellite computers terminal
 - Processor made up of a number of interconnected chips and circuit Board on which the IC. (integrated Chip) is maintained
 - Smaller than main frame
 - Less memory
 - Use of floppies/cd Zip drive.
 - Slower speed
 - Smaller range of 1/0 (input/output)
 - No specific rules of environmental condition
 - Less expensive
 - These are the result of advance technology and are accessible to the direct user. The important feauture of this is its reduced cost and size.

This processor is a single IC (Integrated Chip) and is made up of silicon)

- Occupies little space
- Smallestterchtule siower
- Interface with peripheral units
- Can store large data
- Input/Output device is keyboard/Visual Display Unit
- Can be linked with the printer
- Single user
- Small back storage floppy or hard disk IBM PC



Shalumol. PC. VIII B



SOME DO'S & DONT'S FOR YOU

Do's

- 1. Your hands should be clean and dry before you touch the keyboard
- 2. Keep a distance of two feets in between your eyes and the monitor
- 3. Blink your eyes in between, if you are working on the colour monitor
- 4. Keep the computers covered when it is not in use.

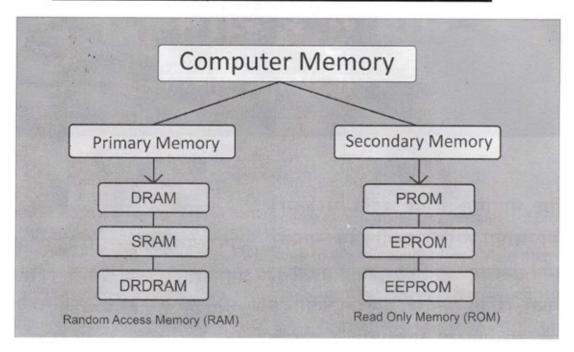
Dont's

- 1. Don't touch any part and computer except keyboard and mouse.
- Don't keep the CPU in any cabinet, or jerk the table on which the CPU and the monitor is kept.
- 3. Don't keep anything (say your waterbottle, bags etc) near the computer.
- 4. Don't touch the open parts of the floppy twist the floppy disk.
- 5. Don't do the cleaning of room when you are working on the computer.
- 6. Do not allow anyone to smoke in the computer room.
- 7. Do not press keys of the keyboard very hard.
- 8. Do not take a magnet near the computer or the floppy disk.



Neeraja Suresh, VIII B





computers require memory for two pur-

- For immediate processing needs.
- For long term storage of programs
- -ccordingly, there are two types of memosin computers primary memory and secsary memory

PRIMARY MEMORY

Random Access Memory) and ROM and only Memory) RAM is the temporary mage memory. RAM is also called volatile age as it loses data when power is switched as a calculator loses the calculations is switched off. The amount of RAM able on a computer has increased essily over the years from 128 kilobytes megabytes to 64 megabytes and now to megabytes

OM, as you may remember, stores prothat tell the computer how to process data and control its various parts. The CPU cannot store any other data in the ROM, hence the name "Read Only Memory".

SECONDARY MEMORY

They are not very durable and can be damaged by excess heat, humidity or dust. This causes loss of the stored data. The limitations are overcome by the storage medium called hard disk.



Gouri Ravi, VIII B



भाषासु मुख्यामधुरा रम्या गीर्वाण भारति

भारतीय भाषायाः अम्बा भवति संस्कृतम्। प्रशासन भाषा रूपेण अङगीकृतेषु भाषासु अन्यतमेयं संस्कृतम्। प्राचीनता, साहित्यसम्पत्त्, तत्वाचिन्ता, विविध शास्त्रेभ्यः योगदानं चेत्यादिकं पुरस्कृत्य क्लासिक्कल् भाषा इति स्थानमपि गणतन्त्रशास्त्र व्यवस्थां परिकल्पितमस्ति। इदानीं भारते मा किं पञ्च सहस्त्रं जना; संस्कृत भाषान् व्यवहारं कुर्वन्ति। दक्षिण भारते कर्णाटक राज्ये मान्तूर, होसल्लिग्रामे मध्यप्रदेशदेशे झिरि, मोहत्, बप्पारा इति त्रयो ग्रामाः राजस्थान् देशे गणोदाग्रामश्च संस्कृत भाषाया व्यवहारं कुर्वन्ति।

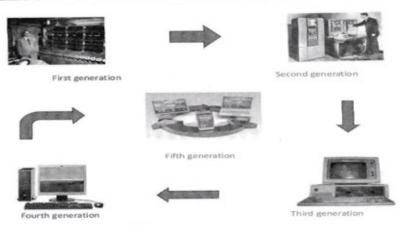
भारतीय भाषाणां पदावली परिपोषणे महदस्ति संस्कृतस्य योगदानम्। मलयालम्, कन्नडा, तमिल्, हिन्दी, बंगाली इत्येवमादयो दृष्टान्ताः। भारते विदेशेषु च संस्कृत भाषाभ्यसनाय सहायिकाः बहुविधाः अनुसन्धानपध्दतयः प्रचलन्ति। संस्कृत भाषा अतिमहत् प्राधान्यं कल्पन्ति।

> भाषासु मधुरा मुख्या रम्या गीर्वाण भारती। तत्रापि काव्यं मधुरं तत्रापि च सुभाषितम्।



Thillai Raj R., IX - A

COMPUTER GENERATIONS



After the 2nd world war, the growth in comuter technology was very fast. These developments led to the sophisticated speed, cost, storage and size of the computer

FIRST GENERATION: The ENIAC and DVAC computers were regarded as the foremers. This was in the early forties to late fifties and (1942-1958). In 1946, ECKERT and auchly formed the Universal Automatic computer. In 1951, UNIVAC I become the first computer and do automatic checking and used magnetic for input and output of data. In these computers, vaccum e.g. IBM 1401 computer.

second Generation: This generation from 1954 to 1965. In these computers, transvere used instead of vacuum tubes. It was eause of this that the computer became aller and compact. Magnetic tapes were used storage. High level languages like COBOL, RTRAN were developed at that time and were for programming. These computers could more data and process them very quickly compared to the first generation computers.

THIRD GENERATION: The third generation from 1965 to 1975. By this time, integrated were introduced and these integrated chips acced the transistors. Hence the compter be-

came even smaller and the speed of processing increased. Multi programming was possible now due to the increaed speed. Main memory and auxilary memory also rapidly development. Input and output devices were also developed

E.G. IBM 360 and IBM 370, 5700,6700, and 7000.

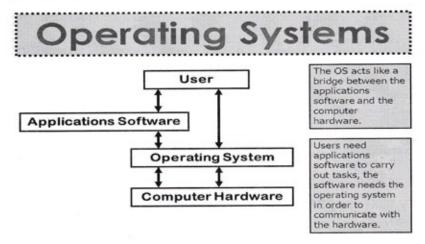
FOURTH GENERATION: From the year 1971 onward, it is considered to be the fourth generation of the computers. By this time, LSI (Large Scale Integration) was introduced. In this the entire computer circuit was put on a single chip called the microprocessor. These computers have more memory capacity, are more compact and have greater speed. The cast of these computers also came down. The first microprocessor was made by INTEL in 1971.

FIFTH GENERATION: In the computer field, day to day developments are going on. But the fifth generation computers are get to come. They are supposed to be even more versatile than the fourth generation computers.



Meenakshi S.P, IX C

APPLICATION SOFTWARE & OPERATING SYSTEMS



Once a person knows a high level langauge, he or she uses this language to write programs for a specific job. For example, a program to type documents (wordprocessor such as MS word), a program to draw and paint on the computer (eg-paint) or a program to perform calculations in a table (spreadsheet such as excel). These are called application software (eg. C++, Qbasic or LOGO.

We have seen how data is processed in a computer. To add two numbers, for example, the year enters the two numbers and give program (instructions) to add the number. The numbers and the program get stored in the memory. The ALU then adds the numbers and the results is displayed on the output device. There must be some co-ordinating force that accepts the numbers from the keyboard, stores them in the memory, interprets the programe and gets the number processed accordingly, stores the result and then displays the results on the monitor. All this work is done by a software called operating system

An operating system makes the computer system (Hardware) work and interact with users. It also manages the requirements of memory, in-

put output devices etc. required on the users programme example of operating systems as MS-DOS and window.

As the windows operating system interact with the users with help of the picture (graphics it is referred to as a graphical users interface GUI system. GUI systems have done away with the need to key in commands, and have instead provided an attractive, user-friendly interface consisting of small pictures (icons)

Advantages of the GUI systems such as windows it that it allows more than one program simultaneously, and can conveniently switch between these programs. Data can also be exchanged between the programs. This is called multitasking.



Aiswarya Gopalakrishnan, IXI

COMPUTER VIRUS



It is a type of malicious software programme at when executed, replicater itself by moding other computer programme and insertite of its own code. When this replication succeeds, the affected areas are then said to be fected.

The term "virus" is also commonly, but erneously, used to refer to other types of alware. "Malware" encompasses computer uses along with many other forms of malibus software, such as computer "worms", assomware, spyware, adware, trojan horses, syloggers, rootkits, bootkits, malicious lowser Helper Object (BHOs) and other manus software. The majority of active malware reats are actually trojan horse programs or imputer worms rather than computer viruses. The term computer virus, coined by Fred term computer virus, coined by Fred term perform some type of harmful activity infected host computers, such as acquisi-

tion of hard disk space or central processing unit (CPU) time, accessing private information (e.g., credit card numbers), corrupting data, displaying political or humorous messages on the user's screen, spamming their e-mail contacts, logging their keystrokes, or even rendering the computer useless. However, not all viruses carry a destructive "payload" and attempt to hide themselves the defining characteristic of viruses is that they are self-replicating computer programs which modify other software without user consent.



Yadhu Krishnan. K.G IX C

SUMMARY OF HTML TAGS

Start and end an HTML File	< HTML >< /HTML >
Give a title for the webpage on the head portion of the document.	
3. Give the body portion	<body></body>
4. Give a heading	<h></h>
5. Making paragraphs	<p></p>
6. Line breaks	 (no end tag)
7. Numbered list	<l1></l1>
8. Bulleted list	<l1></l1>
9. Change font size	<pre> where n is a number between I and 7</pre>
10. Change font colour	 where color name is one of 16 colours supported in this mode
11. Change font	
12. Font style	 for bold
	<l></l> for italics
	<u></u> for underline

13. Blinking text	- <blink></blink>			
14. Putting a horizontal line	<hr/>			
15. Aligning the heading	H¹n ALIGN= "Center/RIGHT/LEFT"> <hn¹></hn¹>			
16. Changing background colour	<body bgcolor="Colour"></body>			
17. Changing text colour	<body :="" text="colour"></body>			
18. Background picture	<pre></pre>			
19. Adding an image	 (no end tag)			
20. Creating a link	 linking words 			
21. Adding an email link	<a :="" address="" email="" href="mail" to=""> contact name 			



Mrudhul John, IX C



COOL MATH TRICK

Step 1 : Think of any number

Step 2 : Multiply that number by 3

Step 3 : Add 45 with the result

Step 4 : Double the result

Step 5 : Divide the answer by 6

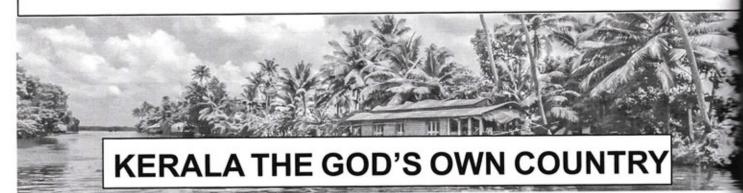
Step 6 : Take away the number you

originally thought of in step 1 from the result

in step 5 (subtract the original number)

And the Answer is 15)

Shifana, IX B



Kerala is known as 'God's own country' for its stunning natural beauty, pleasant climate, unique culture, and its streamlined infrastructure. Kerala is a small state situated on the south west coast of India. It is only around 550kms long and 120 kms wide, and its bordered by land on three sides and by the Arabian Sea on the West. Kerala borders with Karnataka in the north and northeast, and with Tamilnadu in the east and south. Kerala is divided into three geographical regions - the highlands, the major plantations like tea, coffee, rubber, and various spices. The midlands lie between the mountains and lowlands and are made up of undulating hills and valleys. This is an area of intensive cultivation. Cashew. coconut, arecanut, tapioca, banana and vegetables of different varieties are grown in this area. Kerala takes pride in its rich cultural heritage. Some of the other unique dance forms are Krishnanattom, Koodiyattom, Mohiniyattom,

Thullal, Oppana and Chavittunadakam. The phrase was coined in the 1980's to launch a tourism initiative that was so successful that it transformed the state from a relatively unknown tourist destination into one of the most preferred hoday destination in the world! From sun kissed beaches to cloud shrouded peaks, from wild sanctuaries to breath taking. Festivals kerala has it all in the blessed abundance that makes it true. God's own country.



Anika M. Shibu, IX 4

ONLY FOR GENIUS

5+3+2 = 151022 9+2+4 = 183652 8+6+3 = 482466 5+4+5 = 202541

then

7+2+5 = ?????? (This is a question which came for IAS examination, only 1% of kids solve this)

2

2+4+6 = 19 3+6+9 = 43 4+6+8 = 53then 9+5+3=?

3

Get 24 by only using the numbers 8,8,3,3,
You can use the main signs add, subtract, multiply & divide
Make your own time



Devanarayanan .M, IX C



ANSWER KEY

```
1 (axb) = (5x3) = 15

(axc) = (5x2) = 10

(axb) + (axc) - b = 15+10-3=22, so - 151022 & Hence 7+2+5 = 143547

2 X + Y + Z = X (Y + (Z-1) + 1)

eg: 2+4+6 = 2 [(4+6-1)] +1 = 19

So, 9+5+3 = 9 [5+(3-1)] +1 = 64

3 8/[3-(8/3)] = 8/(1/3) = 24
```

Devanarayanan .M, IX

VEDIC MATHEMATICS

Simple and funny ways of multiplication 13x13

These two numbers are 3 more than 10. If one 3 added to 13, 13+3=16.

Then 3x3 = 9. Write this 9 on the right side of 16. We get 169 as answer

11x12

11 is 1 more than 10 and 12 is 2 more than 10 So write as 11+1m 12+2

11+1

12+2 at first add 2 to 11. 11+2 =13 and multiply1 and 2 1x2=2 11x12= 132

12x13

12 1) First the numbers on right side is to be x13 multiplied 2x3 = 6

12

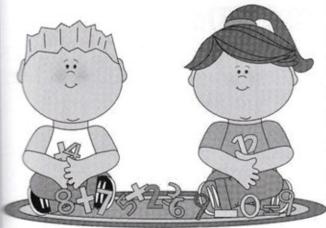
x132) Then multiply across 3x1 + 1x2 = 3 + 2 = 5

12 3) Then multiply numbers

x13 on the left side. 1x1=1. Last we got 156. 12x13 = 156



Anusree P.S, IX



MATH TALK

I agree/disaree with you because.....

What I heard you say was?

What key word helped you to solve this?

Can you explain this to me?

What were you thinking here?

How did you solve it?

What did you start with?

Why did you choose that operation

What strategy did you use?

Why did you know your answer was right?

Prove your answer is right?

How else can you solve it?

How did this help you understand?

How is this like other problems you have solved?

Fathima Mehjabin, X



SWACHH BHARATH

Swachh Bharath Abhiyan is a campaign in India aims to clean up the streets, roads, smaller towns rural areas. Its objective is to eliminate open ecation through the construction of toilets. This maign was officially launched on 2nd October, at Rajghat, New Delhi with an aim to eradicate

open defaecation by 2nd October, 2019, marking the 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi. Under this mission about 12 million toilets were constructed all around India at a projected cost of 1.96 lakh crore.

The official slogan of this mission is "One step for cleanliness". The mission includes ambassadors and activities such as national real-time monitoring and updates from non-governmental organizations.

The Swachh Bharath Abhiyan is considered as India's largest cleanliness drive which included about 3 million Govt. employees, students from colleges and schools etc.

Tulsi Syam, X-D



ഗണിതഗണം

ഗണമെന്നതിനേ സൂചിപ്പിക്കാൻ പറ്റിയ രീതികൾ മൂന്നാണ് പ്രസ്താവനയും, പട്ടികയും പിന്നൊന്ന് നിബന്ധനയും

> എണ്ണം പരിമിതമാണെങ്കിൽ രീതി പട്ടികയാക്കീടാം എണ്ണം കൂടുതലുണ്ടെങ്കിൽ നിബന്ധന തന്നെ കേങ്കേമൻ

ഗണത്തിലൊരംശം ആവർത്തിക്കുക അരുതരുതെന്നോർക്കുക നാം ഒരേ ഒരംഗം മാത്രം, നമ്മൾ പട്ടികയെഴുതുമ്പോൾ

> അംഗമില്ലാ ഗണം ശുന്യഗണം അംഗമൊന്നായാൽ ഏകാംഗഗണം അംഗങ്ങളെണ്ണാൻ കഴിഞ്ഞാൽ പരിമിതം എണ്ണുവാൻ പറ്റാത്തതാണനന്തം

> > Arathy Rajan P, IX B

BIRTHDAY TRICK

This math trick will determine your birthday. Just follow the steps

Add 18 to your birth date

Multiply by 25

Subtract 333

Multiply by 8

Subtract 554

Divide by 2

Add your birth month

Multiply by 5

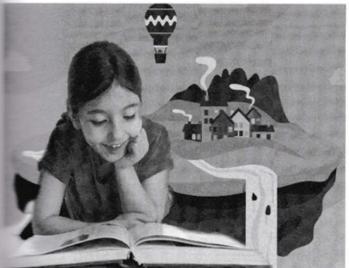
Add 692

Multiply by 20

Thillai Raj R, IX A

Add only the last two digits of your birth year

Subtract 32940 to get your birthday. For example, an answer of 312112 means that you were born on 31-12-12. The answer format is DD-MM-YY



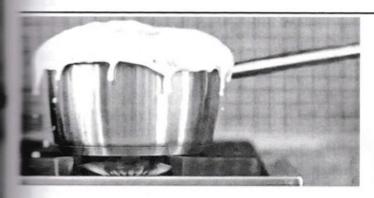
and perfect." Books provide rich treasures to perfect." Books provide rich treasures to the that man derives from good books. This due to classification of books. Books can be be prose includes both fictions and nonfiction. Books teach us how to become good hubeings. Books increase human knowledge. The contain both theoritical exercise and practical wisdom. Reading books has to be practised an art. There should be a sense of good se-

IMPORTANCE OF READING

lection selecting the good and rejecting the substandard. A good collection of books constitutes a good library. Libraries are great assets to educational institution in particular and to society in general. According to a wise saying a good books is the precious life blood of man. This means that books are vital to man, without the culture of books, there will not be any distiction between man and beast. Therefore reading and writing of books have to be encouraged to every extent possible. So start reading today onwards.. It makes your life more beautiful and you a good man.



Parvathy C, IX A.



why does boiling milk overflow, but boiling water mes not?

Probably due to the fat molecules in milk. The fat marates from the thinner, watery liquid and as the milk boils, the steam rises, and this milk mayer moves up, you can prevent the boiling over be by lowering the heat. When milk is boiled, a marbrance - like film containing cream and cascin med. When milk begins to boil, the heat energy med for the conversion of water into steam. As a

I WONDER WHY?

result, the pressure below the film increases suddenly and the rising bubles of steam makes the milk overflow.

The major componet of milk is water (83%), its other constituents are protein (5%), sugar (5%), and fat (7%). When heated, fat being lighter than water, floats as a creamy layer on the top, and water vapour, in the form of steam bubbles, is trapped under it. Further heating results in the formation of more number of bubbles. These bubbles expand, and lift the creamy layer, causing it to overflow. In the case of water, the steam bubbles break as they reach the surface. So boiling water does not overflow.



Anika M. Shibu, IX-A



INDIA AT 2070- MY CONTRIBUTION

India, the second most popluated country in the world, which is developing and has a variety of cultures and tradition. I am an Indian. I'm proud to be called so, Because this is the soil where Abdul Kalam, Gandhiji and so many eminent personalities once lived. Being an Indian I respect every citizen of the country its culture and infrastructure. But what will the world talk in 2070. Everyone is very much eagerly, waiting for that movement. So let's look India's future through a citizen's perspective

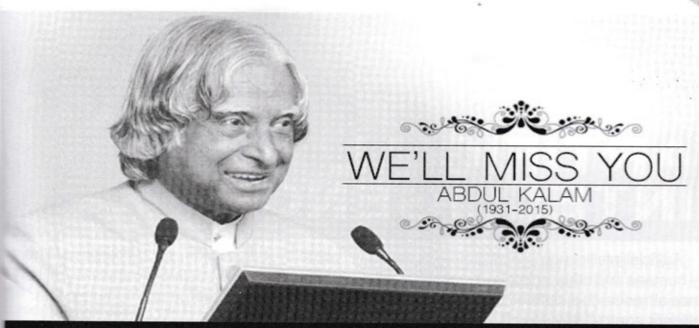
First is first. India's population will grow and will definitely cross 2 billion leading to a heavy human resources and make a bullish economy. People will be sent to different states with low density of population to balance the population everywhere. Internet facilities will be at every hook and corner of Idnia. In that time India will defenite start a colonisation in mars and their will be no need of cellphones or computer, because a chip will function in the brain which will connect us through internet. Transportation and teleportation will be trent at theat time. India will become a developed country at time that will stand like a unipolar market in front of the world. The value of rupees in India will increase and there will be no use to go to foreign countries in search of work. So the national income increase gradually. We need a government that provide us basic facilities and should be corruption free and should spect almost 10% of national income on eudcation. For this we can do some things that

keep a contact with the leaders that rule the contry. There is also and app for road repairing, should make our government transparent communicate with them. Keep our cities and mises clean because now, India produces, I waste than many other countries. Waste disposis the main problem. Keep ourselves clean, spect everyone and only concentrate at you will we should not become slaves to opportunitie opportunity doesn't come to us, make an opputunity and never lose hope. These methods will adopted by Japan and they had an unimaginal success after bomb blast. Japan has a smoopulation and stands 2nd in GNP where as thighest populated China stands 3rd.

It is not others who should change, we should change. Just do our duty perfectly and we will succeed. Just do It mind anybody's work you should work. Then only we can achieve the India in perspective it is not a dream it is a reality the should be producers not consumers then only a can make India developed.



Sidharth Sethunath, X



APJ ABDUL KALAM A TRUE INDIAN

- Pakir Jainulabdeen Abdulkalam. He was born October 15 1931 at Dhanushkodhi in the ple town Rameswaram in Tamil Nadu. He was in a poor family, but he was an exceptionally lant child. Though he was ligety of adversity poverty yet he was not born to shatter. His lare was a hawker and used to sell newspa-
- moved to Indian Space Research ganisation where he was the project Director SLV-III. India's first Satellite launch vehicle.

 SLV-III. India's first Satellite launch vehicle.

 Soing DRDO, he produced a number of cessfull missiles he earned the nickname.

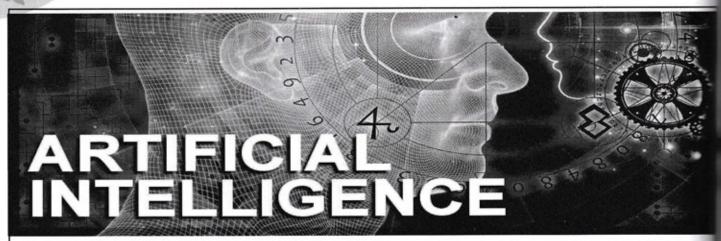
 Sale Man". He was not interested in going about He wanted to serve his motherland first. He sond of music, Quran and Gita. He adviced angsters of nation to "Dream, dream and continese into thought later into action". For his selence he awarded Bharat Ratna- 1998 and Vibhushan and Padma Bhusan in 1981.

 The produced in the project Director of Doctorate. He was the 11th President of

Popular inspirational quotes from APJ Abdul Kalam

- "Failure will never overtake me if my determination to succeed is strong enough."
- "Excellence is a continous process and not an accident."
- "Life is a difficult game. You can win it only by retaining your birth right to be a person."
- "Look at the sky. We are not alone. The whole universe is friendly to us and conspires only to give the best to those who dream and work."
- "You have to dream before your dreams can come true."
- "All birds find shelter during a rain. But eagle avoids rain by flying above the clouds."
- "Those who cannot work with their hearts achieve but a hollow, half-hearted success that breeds bitterness all around."
- "Dont take rest after your works I first victory because if you fail in second, more lips are waiting to say that your first victory was just luck."

Fathima Nazrin . P. K. IX A



Artificial intelligence is intelligence displayed by humans and other animals. In computer science all research is defined as the study of "intelligent agents" Any device that perceives its environment and takes actions that maximize its chance of success at some goal. Colloquially the term "Artificial intelligence' is applied when a machine mimics cognitive functions that humans associate with other human minds, such as "learning" and "problem solving". Capabilities generallay classificed as AI as of 2017 include successfully understanding human speech, competing at a high level in strategic

game systems, autonomous cars, intelligent routing in content delivery networks, military simulations and interpreting complex data.



Jomin Thomas, IX C

Best Wishes

The Coimbatore Papers

10B - Head Post Office Road Coimbatore - 641-001

Manufactures of Paper and Note Books

CHEMICAL SUBSTANCES ADDED TO FOOD AND ITS AFTER EFFECTS

Food provides energy and enables body to yow. Many traditional methods are there to keep mese items undamaged. Eventhough the system frying in oil exists even today, add things like `uri', athayam have given way to almirah and effect athayam have given way to almirah and effect undamaged by adding chemicals preservatives) to them. But we don't care such lings when we buy and use them. The commonly sed preservatives in packet food are salt, sugar, actic acid, sodium met a bisulphite etc. The excess see of salt causes blood pressure and excess use fougar causes diabetics. The excess use of acetic acid will cause acidity.

A chemical known as carbide is used for afficial ripening of fruits. This contains poisonous abstance like arsenic, phosphorus etc. By using fruits regularly we will get into various troubles fatigue, low blood pressure (hyper tension) etc.

Emulsifiers are preservatives used to serve the physical qualities of food like constency, ensity etc. Commonly used emulsifiers are mono glycerides and diglycerides of fatty acids. To keep chocolates solid in shape and uniformly soft, chemicals like glycerol, sorbitol, gelatine, pectin etc. are used.

Colouring materials are added in every foods that available in markets. Due to its regular use Head ache, Drowsiness, Blood Pressure, Heart Attack, Damages of functioning of Liver, Kidney etc will occurs.

Mono Sodium Glutamate (MSG) used for giving flavour and taste to fast food items. It may lead to Head Ache, Drowsiness, Burning Sensation and Breathing difficulties in Asthma Patients. Sometimes it affects the cells of brain in children.



Gopika M., VIII-A

CAUSES AND BAD EFFECTS OF SKY WASTES

Sky wastes are increasing day by day. Within 200 years, atleast 3000 artificial satellietes will the space. This will result in huge explosion artificial ruin most of the satellites in the space. This affect the climate studies and telecasting mations.

The vision of telescope from earth to space migded due to growth of sky waste. The main of flow of sky wastes in huge amount is due launching of man-made satellites. Space which are rotating in the space also have mortant place in creating wastes. These fast waste destroy devices and parts of other lites.

According to protocol by UNO, the space and use only for peaceful matters. But nuclear ments are used in satellites by other countries. By the satellite launched by China is destroyed rown satellite with missile.

The main problem of sky waste is space pollution. And just like the other types of pollution, space pollution is a cause for increasing concern as the amount of material continue to grow.

If these wates comes in contact with atmosphere results in explosion. But space wastes are increasing day by day will affect both the earth & space. The launching of new satellites in space, such that time they must ensure the destruction of satellite from orbit within 25 years. But this is not easy to handle.

Keerthana S, IX-A

WHY BLAME ME?

- A tribute to all the girls who are suppressed by society

From birth you blame me

For what I am and can't be changed

you put me in a cage

And allow me no liberty

you keep me ignorant

And complaint that, I'm incapable

You makes such rules

Which make me feeble

And If I am attacked by others

You blame me of being weak

Asking me not to leave the cage

Finally you stamp me that I am useless

having strength only to obey you.

Why blame me

For the rules you made?

It's you, the society

Imposed on me such rules

What sin have I done

To carry all the curses,

That god gave me as boons?...

Pooja pillai, IX C

माता

ब्या महिलया शिशु जन्यतं, पालनं, लालनम्, च्यतं, ता महिलां माता इति मन्यते। माता =दृशः पुल्लिंङग प्रतिवस्तु पिता। संस्कृत नाषायां जननी, जनयित्रि, अम्बा, सावित्री, बन्विका, प्रसू, जनी, अल्ला, अक्का, अत्ता ज्यादीनि अनेकानि पदानि मातृ शब्दस्य 📻 पर्यायशब्दरूपेण उपयुज्यते। शीशोः जलन विषये पितो तथा इतर बन्दुजनेभ्यः बापे दायित्वं अस्ति एव। पुरन्तु अम्बायै चेठशम् विद्यते। माता इति पदम् न्द्रीकर्तु सुलभकार्यं नास्ति। न केवल मानवाः 📰रेषु पशुषु अपि मातृत्व सस्पष्टं विद्यते, यथा बिज्ञोः जीवनं अम्बया विना कटिनम् भवति 🖘 एव मृगाणां पक्षिणां अपि अम्बया विना चैवनं बहु कष्टं भवति । भारत देशे स्वमातरं ब्देक्षया तरवः, नद्यः, जन्मभूमिः 🔤 दयाः अपि मातृवत् पूजनीयाः इति मन्यते, ज्यमतया श्रीमद्रामायण महाकाव्यं "जननी

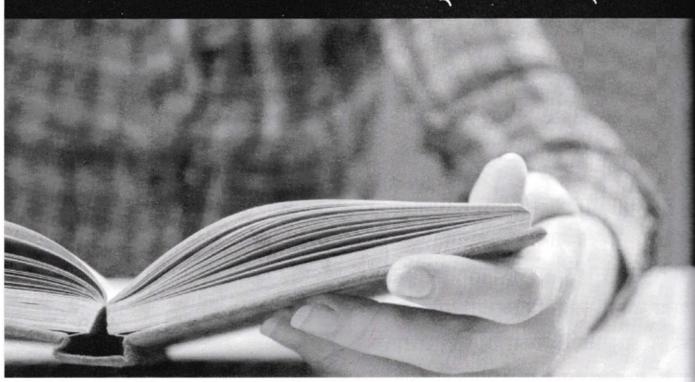


जन्मभूमिश्च स्वर्गादिप गरीयसि इति श्लोकः वर्तते, तादृशाः श्लोकाः विविधेषु प्राचीनेषु ग्रन्धेषु अपि वर्तन्ते"



Sythunnisa C.S., IX - A

विद्याधनं सर्वधनात् प्रधानम्



भारतीय सङकल्पानुसारं विद्याविनयसम्पति ः विनयाधनम् इत्यादिप्रयोगः एव साधु। यतः विद्या ददाति विनयम् इति खलु प्रसिद्धम। प्रामाणिकग्रन्थेषु विद्याभ्यासः इति पदप्रयोगः अपि न दृश्यते। विद्याविनयसम्पन्ने ब्राह्मणे गवि हस्तिनि इत्येवं भगवद्गीतयां प्रयोग। अनेन प्रयोगेण अस्य लक्ष्यमपि अवगच्छति। विनयमेव विद्यया प्राप्तव्यम्। अपरया भाषया वदामः चेत् स्वभावसंस्करणमेव शिक्षणम् इति स्पष्टिकुर्वन्ति च । अत एव कथयामः विद्याविहीनः पशु ः इति।

विनयः गुणसंस्कार : चेत् तदर्थ सर्वसमर्पणम्

एव मार्गः ।

गुरुसमर्पणं गुरुशुश्रूषा, योगाभ्यास अध्यात्मशास्त्रपठनम् च इच्छाशक्ते; ज्ञानशक्ते क्रियाशक्तेः च वर्धनम् कारयन्ति। विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम् पात्रत्वाध्दनमाप्नोति धनाध्दर्मं ततः सुखम्।



Sandra Krishna, IX -

परोपकारः



परेषां उपकाराय कृतं कर्मं उपकारः इति
ब्ययते, निःस्वार्थभावनया परेषां हितसाधनं
सोपकारः। अस्मिन् जगित सर्वं जनाः स्वियं
दुवं वाञ्जन्ति। अस्मिन् जगित एवं विधाः जनाः
वरलं अस्ति। ते जनाः आत्मनः सुखं, लाभं च
बक्त्वा परेषां कल्याणं कुर्वन्ति। स्वयं परित्यज्य
बजीवनं परदुःख निवारणेन, दिनानां पीडितानां
बनानां उपकारसाधनेन च यापयन्ति जनाः तेषां
ब जीवनं यथार्थतः सफलं भवति। परोपकारः
बनावः भवति। अस्य भावस्य उदयेन एव
बनाजस्य देशस्य च प्रगितः भवति। वस्तुतः
नन्ताः अपि प्रकृतिः परोपकार - परायणा
ब्वते। सूर्यचन्द्रः नक्षत्रादयः परोपकारार्थं एव

तपन्ति। मेघाः प्राणिनां वनस्पतीनां च उपकाराय सागरस्य क्षारं जलं मधुरं कृत्वा वर्षन्ति। वृक्षाः स्वयं फलानि न खादन्ति। फलैः ते सदा अन्येषां क्षुधां धरन्ति। नद्यः स्वजलं स्वयं न पिबन्ति। गावः अन्यानेव पोषयन्ति, स्वदुग्धेन। एवं हि सज्जनाः परोपकाराय एवं जीवनं धारयन्ति। एवं उक्तं अपि -

> स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः, पिबन्दि नाम्भः स्वयमेव नघः। विभाति कायः करुणापराणां, परोपकारेण न यन्दनेन,

यदा प्रकृतिः सर्वत्रैव परोपकारणे रताः तर्हि कथं मानवाः परोपकार प्रवृत्ताः न दृश्यन्ते। एवं दुर्लभिमदं मानवशारीरं संप्राप्य अपि परोपकारं न कुर्वन्ति ते तु पापमेव प्राप्नुवन्ति। सज्जनानां परोपकारिणां च धनसम्पत्तिः, शारीरं चापि परोपकारार्थमेव भवतः।



Sai Nandan P.V.

IX - A



विवेकानन्दस्य चातुर्यम्

विवेकानन्दः अवदत् - अहं धनस्यूतमेव स्वीकरोनि इति।

प्राध्यापकः समन्दहासं - यदि भवतः स्थाने अह स्यां तर्हि ज्ञानस्यूतमेव स्वीकरिष्यम् इति अवदत्।

तदा विवेकानन्दः अक्तवान् - आम्। युक्तन् एतत्। यस्मिन् यत् नास्ति सः तदेव स्वीकरोति। क्रोधेन प्राध्यापकः किमपि अवदत् मौनम् आश्रितवान्।

अन्यस्मिन् दिने वर्गप्रकोप्टे सर्वे विद्यार्थिनः स्वस्यान उपविष्ठाः आसन्। तत्र आगतः प्राध्यापकः उत्तरपत्राणि अयच्छत् । तेषु विवेकानन्दस्य उत्तरप्रत्रमपि अन्यतमन् उत्तरपत्रे अङकाः न आसन्, अपि तुमूर्खः इति लिखितन् आसीत्। पत्रं दृष्ट्वा विवेकानन्दः अध्यापकम् अवदत् -महोदय! मम पत्रे भवतः हस्ताक्षरमात्रम् अस्ति। अंडकः न लिखिताः कृपया मया प्राप्तः अडंकाः कति इति सूच्यताम् इति।

तच्छुत्वाा प्राध्यापकः विवेकानन्दस्य चातुर्वेष प्रभावितः सन् मौनम् अपालयत्।

पुरा स्वामी विवेकानन्दः उन्नत विद्याभ्यासारर्थं लण्डन्नगरे विद्यमानायां प्रसिद्धायां सर्वकलाशालायां पठनम आरब्धवान् आसीत्। तत्र पटिर नामकः कश्चन प्राध्यापकः आसीत्। तस्मै विवेकानन्दः न रोचते स्म। विना कारणेन विवेकानन्दस्य विषये तस्य मनसी द्वेषभावः समुत्पत्रः

एकदा तौ भोजनार्थम् एकत्र एव उपविष्टवन्तौ।
एतत् असहमानः प्राध्यापकः उपहासपूर्वकम् उक्तवान् पक्षिणा साकं सूकरों पि खादित इति। तत् श्रृत्वा उन्थितवान्
विवेकानन्दः स्थालिकां स्वीकृत्य बिहः गच्छन् प्राध्यापकम्
उदिश्य - अधुना पिक्ष अन्यस्थानं गच्छिति भवान् सम्यक्
खादतु इति अवदत्।

अग्निमदिने प्राध्यापकः विवेकानन्दन् उद्दिश्य एकं प्रश्नम् अपृच्छत् - भवतः गमनमार्गे दौ स्यूतौ स्तः एकस्मिन् स्यूते धनम्, अपरस्मिन् प्रज्ञा च यदि स्यात् तर्हि कं स्यूतं चिनोषि? इति।

Parvathy-





Sai Prasad State Winner - Violin

State Winner in - Padakam, Ottanthullal, Chambu Prabhashanam, Skt. Drama, Koodiyattam



Bakhi S. Nair, Meenakshi Santhosh, Rekha S. Nair NSS Scholarship winners



Hari Sankar K. R. State Winner Kathakalai Sangeetham



Jyothsna Nair State Winner Aksharaslokam



Vinayak Venugopal State Winner Chakyar Koothu



Vivek Hari, Viwas, Athul Shabu LSS Scholarship winners



Sreerag Participated in ISL Junior (Under13)



Krishnachandran State Winner P.T. Bhaskara Panicker Balasasthra Pareeksh Winner



State Winner Violin



Souray, Adarsh, Krishnan, Bagya, Akshara, Sruthy, Harsha State Yoga Olympiad winners



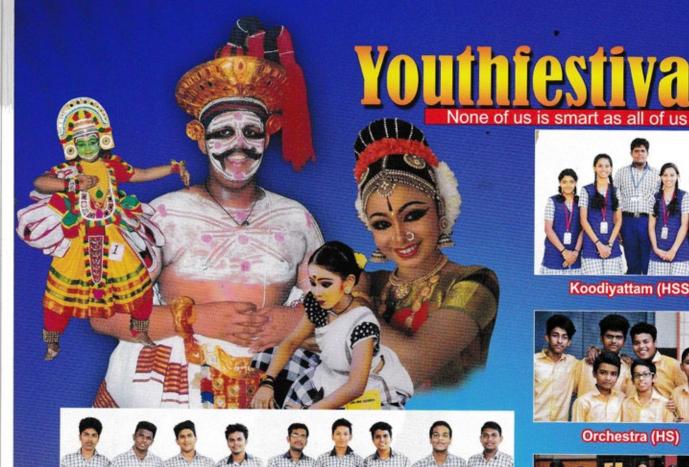
Achyuth Unni State Winner Kathakalai Sangeetham

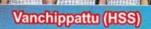


Krishna Priya P. J. State Winner **Beads Work**



PranavS. State Winner Aksharaslokam







Poorakkali (HS)



Croup Song (L.P.)

Will like



Koodiyattam(HS)



Parlehamuttu (HSI)



Koodiyattam (HSS)



Orchestra (HS)



Sanskrif Drama (HS)



Panchavadyam (H.S.)



Parichamuttu (H.S.S.)

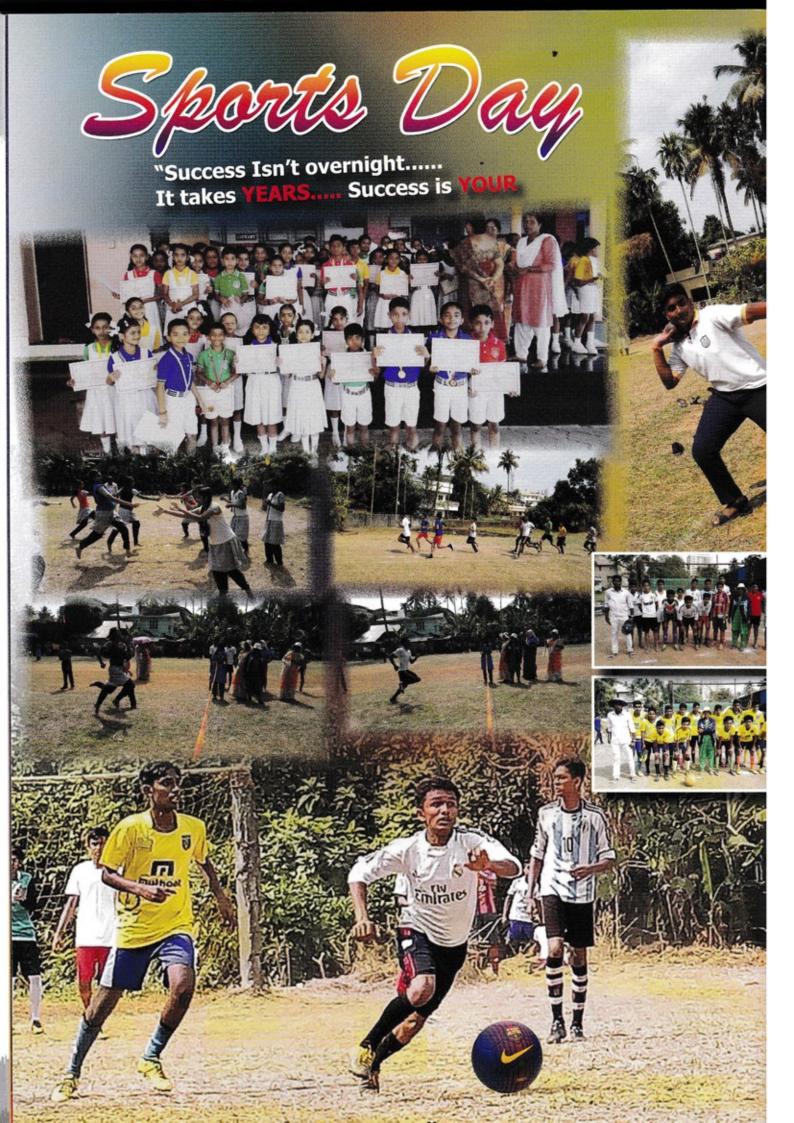


Oppana (H.S.)









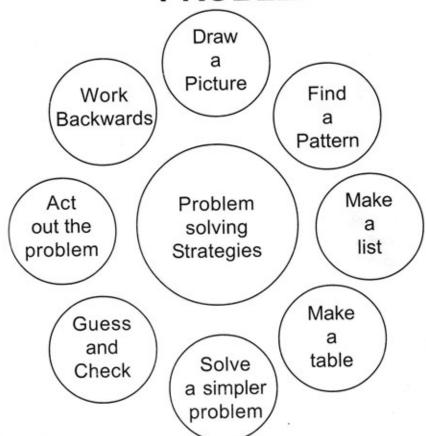
THE DAY I MADE MY PARENTS PROUD

was only 9 then, a curious boy from Punjab, who ad never been outside. Most of the time, news channels had atleast one news about the drug addicts in Punjab. I always wondered. "Where do nese drugs come from. Is it made in my state or an eyond borders." One day a grey van came and have a packet to an uncle. I asked the uncle what was. He replied. "This thing can be seen all across Punjab." I guessed it was cocaine. As a mizen, I felt that I should stop it. I found out more about this. I followed that grey van secretly and the source. It was a vast network. I took a moto of that place and location and gave a com-

plaint directly to the police Inspector. They immediately raded the place and I was given the credit. I now also remember... When I was receiving Bravery Award from the Central government, my parents were very proud or me as if it were the greatest thing I have ever done. They were happy to the very extend. That time one clanged in my ears." I will serve my country". That day I felt that I gave something to my parents and my country.

Sidharth Sethunath, X A

PROBLEM SOLVING





Sreelakshmi. M.A XD

ഓർമ്മലുടെ തീരങ്ങളിൽ

മ്മന്നും തന്റെ ജീവിതത്തിൽ നടന്ന അപ്രതീക്ഷി തമായ സംഭവങ്ങളൊന്നും അവൾക്ക് മറക്കാൻ കഴിയു ന്നില്ല. ആ ഓർമ്മകളെല്ലാം ഇന്നും നിതൃജീവിതത്തിൽ അവളെ സ്വാധീനിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.

വലിയ സാമ്പത്തി കപ്രശ്നങ്ങളൊന്നും തന്നെയില്ലാത്ത ഒരു കുടുംബത്തിലാണ് രേണുക ജനി ച്ചുവളർന്നത്. പഠിക്കാനും മറ്റും നല്ല മിടുക്കിയായിരുന്നു അവൾ. അങ്ങനെയിരിക്കെ അവൾക്ക് അമ്മയെ നഷ്ട പ്പെടുകയുണ്ടായി. അമ്മയെ വളരെയധികം സ്നേഹി ച്ചിരുന്ന അവൾ അതോടെ തളർന്നുപോയി. ആ ദുഃഖ ത്തിൽനിന്നും അവളെ കരകയറ്റിയത് അവളുടെ അച്ഛ

കാലം കടന്നുപോയി. അങ്ങനെ രേണുകയ്ക്ക് വിവാഹപ്രായമെത്തി. ആലോചനകൾക്കൊടുവിൽ ഒരു ഡോക്ടറുമായി അവളുടെ വിവാഹം നടത്തുകയും ചെയ്തു. അവൾ അയാളുടെ വീട്ടിൽ സന്തോഷ ത്തോടെ ജീവിച്ചു.

ആ സന്തോഷങ്ങൾക്കിടയിലാണ് അവൾ കാൻസർ എന്ന മാരകരോഗം തന്നെ കാർന്നുതിന്നുകൊണ്ടിരി ക്കുകയാണെന്ന സത്യം തിരിച്ചറിഞ്ഞത്. ആളുകളുടെ സഹതാപത്തോടെയുള്ള പെരുമാറ്റം അവളെ വല്ലാതെ വേദനപ്പെടുത്തി. പിന്നെ അവൾക്ക് മരിച്ചാൽമതിയെ ന്നായി. അങ്ങനെ വേദനിച്ചിരിക്കുന്ന അവസ്ഥയിലാണ് അവളൊരു ലേഖനം വായിക്കാൻ ഇടയായത്. ഒരു സ്ത്രീയുടെ, താൻ കാൻസർ എന്ന രോഗത്തെ എങ്ങനെ അതിജീവിച്ചുവെന്നു പ്രതിപാദിക്കുന്ന ഒരു ലേഖനമായിരുന്നു അത്. ആ ലേഖനം അവളെ കൂടുതൽ ഉത്തേജിപ്പിച്ചു. കാൻസറിനെ അതിജീവിക്കാനുള്ള മരുന്നുകൾക്കൊപ്പം അവളുടെ മനസ്സിൽ അങ്ങനെ ആത്മവിശ്വാസവും രൂപപ്പെട്ടു. അവളുടെ ഭർത്താവും അവളെ രോഗമുക്തയാവാൻ സഹായിച്ചു.

രോഗത്തെ അതിജീവിച്ചശേഷം അവരുടെ ജീവിതം സന്തോഷത്തോടെ കടന്നുപോയി. അവൾ ആ സന്തോ



ഷകരമായ ജീവിതത്തിനിടയിലും രോഗത്താൽ ആ വിശ്വാസം നഷ്ടപ്പെട്ടവർക്ക് ആത്മവിശ്വാസം പല കയും ചെയ്തു. എങ്കിലും ഇപ്പോഴും അവൾ ആ ോ കാലം ഓർത്തിരിക്കാറുണ്ട്. അത് കാണുമ്പോൾ അ ളുടെ ഭർത്താവ് ചോദിക്കും: 'നീ ഇപ്പോഴും ആ ഓർ യുടെ തീരങ്ങളിലാണോ.' അപ്പോൾ അവൾ അയാം നോക്കി ഒരു ചെറുപുഞ്ചിരി നൽകും.

ശ്രീലക്ഷ്മി എം.എഅ